राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,16जुन2020 वर्ष–2, अंक –104 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीते 24 घंटे में भारत सहित दुनिया में 60 से अधिक लगे भूकंप के झटके

सिडनी (एजेंसी)। कोरोनाकाल से जूझ रही दुनिया में बीते 24 घंटे में भूकंप के हलाडोल से 60 से अधिक झटके महसूस किए गए।

भूकंप की जानकारी देने वाली वेबसाइट के अनुसार 14 जून को दुनिया में 50 जगह भूकंप आया, जिनकी तीव्रता 5.4 से लेकर 2.5 तक मापी गई।

जिन देशों में भूकंप आया उनमें इंडोनेशिया, हवाई, पुर्तो रिको, म्यांमार, जमैका, अलास्का, तुर्की, भारत, जापान, ईरान, फिलीपींस प्रमुख है। हालांकि इनमें से कई देशों में एक से ज्यादा बार झटके आए हैं।

इसके लावा इनमें से ज्यादातर देश ज्वालामुखी क्षेत्र में पड़ते हैं जिसके चलते ये भूकंप के भी रेड जोन में माने जाते हैं।

एक अन्य वेबसाइट के मुता. बिक बीते 2 महीनों से दुनिया के रेड और ऑरेंज जोन में हलचल बढ़ी है और इसका नतीजा लगातार भूकंप के तौर पर सामने आ रहा है। जानकारी के मुताबिक दुनिया के करीब 23 देशों में 14 जून को भूकंप के झटके दर्ज किए गए और 13 जून को भी करीब 20 देशों में भूकंप के झटके दर्ज किए गए थे। 15 जून की सुबह ही तुर्की में 5.7 तीव्रता का एक भूकंप दर्ज किया गया है।

भारतीय राज्य गुजरात के कच्छ में 14 जून को आए भूकंप में 10 सेकंड तक झटके महसूस किए गए। राजकोट में तीन आफ्टर शॉक भी महसूस किए गए। सौराष्ट्र में 4.8 तीव्रता के साथ करीब 7 सेकंड तक झटके आए।

अहमदाबाद में 3.4 तीव्रता के झटके करीब 5 सेकंड तक महसूस किए गए। जामनगर, सुरेंद्रनगर और जूनागढ़ में भी झटके महसूस किए गए। गौरतलब है कि भारत में बीते 2 महीनों में लगातार 9 से ज्यादा बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। 14 जून को गुजरात में भी 5.5 तीव्रता वाला भूकंप आया, जबकि दिल्ली–एनसीआर के इलाके में भी 8 बार भूकंप आ चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की माने तो सिर्फ 14 जून को दुनिया भर में 50 से ज्यादा भूकंप आए

हैं। ज्ञात हो कि पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं जो लगातार घूम रही हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार–बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा प्रेशर बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है। इसी से भूकंप पैदा होता है।

चेन्नई के न्यूक्लियर और अर्थ साइंटिस्ट डॉ. केएल सुंदर कृष्णा ने दावा किया है कि कोविड–19 महामारी किसी तरह पिछले साल 26 दिसंबर को हुए एक सूर्य ग्रहण से जुड़ी हुई है। डॉ. केएल सुंदर कृष्ण ने बताया कि उनका मानना है कि 26 दिसंबर को हुए ग्रहण ने सौर मंडल में ग्रह विन्यास को बदल दिया।' उन्होंने कहा कि 'उत्परिवर्तन पहली बार चीन में देखा गया था, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है। यह उत्परिवर्तन एक प्रयोग या जानबूझकर किए गए प्रयास का परिणाम हो सकता है। उनका मानना है कि आगामी सूर्य ग्रहण एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है और कोरोना वायरस को निष्क्रिय बना सकता है। उन्होंने दावा किया है कि 'यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इसलिए इसे लेकर लोगों को ज्यादा घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

सूर्य का प्रकाश और सूर्य ग्रहण इस घातक वायरस के लिए एक प्राकृतिक उपचार साबित होंगे।' आगे विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, 'उन्होंने विदेशी अवशोषित सामग्री के साथ न्यूक्लियेटिंग (नाभिक गठन) शुरू कर दिया हो सकता है, जो कि ऊपरी वायुमंडल में जैव–परमाणु, जैव–परमाणु संपर्क का एक नाभिक हो सकता है।

बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर (प्रो. टीन) का उत्परिवर्तन इस वायरस का एक संभावित स्रोत हो सकता

संक्षिप्त समाचार

विशाखापत्तनम गैस रिसाव- मृतकों के परिजनों देंगे 50,000 रुपए, सीधे अकाउंट में आएंगे पैसेः नायडू

नेशनल डेस्क। तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि विशाखापत्तनम में गैस रिसाव की घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को 50,000 रुपए की आर्थिक मदद- जिसे वह व्यक्तिगत रूप से सौंपना चाहते थे, अब सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है। बता दें कि गैस रिसाव की घटना में 12 लोगों की मौत हुई थी, जबकि तेदेपा ने कहा कि वह 15 परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। 15 परिवारों को लिखे अलग-अलग पत्रों में, नायडू ने कहा कि सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी सरकार ने उन्हें शहर का दौरा करने की अनुमति नहीं दी और इसलिए वह उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलकर सहायता राशि नहीं सौंप सकते। पत्र में, प्रमुख ने दावा किया कि जब वह बंदरगाह शहर जाने वाले थे, तो एक पूरी उड़ान कैसे रद्द कर दी गई। नायडू ने कहा कि अब तेदेपा नेता हर शोक संतप्त परिवारों से मिलेंगे और सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जा रही है।'' उन्होंने पीड़ित परिवारों से कहा कि यह एक अपूरणीय क्षति है और इसकी भरपाई किसी भी तरीके से नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि लेकिन प्रत्येक परिवार को हिम्मत रखनी चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। तेदेपा हमेशा लोगों की सेवा के लिए मौजूद रहेगी और हर समय हरसंभव मदद देती रहेगी।

जौनपुर में दूसरे की मार्कशीट पर नौकरी, मुकदमा दर्ज

जौनपुर । कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में दूसरे की मार्कशीट पर जौनपुर तथा आजमगढ़ में नौकरी करने वाली प्रीती यादव के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने सोमवार को यहां बताया कि मैनपुरी जिले में किशनी क्षेत्र के रामनगर, सैदपुर गुलरियापुर निवासी प्रीती यादव ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मुफ्तीगंज जौनपुर में पूर्णकालिक शिक्षक नियुक्ति प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी सिकरारा से अभिलेखों की जांच कराई गई तो हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के अंकपत्र, प्रमाण पत्र श्रीमती प्रीती यादव पुत्री लाल बहादुर यादव निवासी शाहपुर, सिकरारा जौनपुर का निकला। असली प्रीती का आधार नंबर भी दूसरा है। फर्जी अभिलेखों पर नौकरी करने वाली मैनपुरी जिले की प्रीती यादव के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है।शाहपुर गांव निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता लाल बहादुर ने कहा कि उनकी पुत्री प्रीति यादव ने स्नातक की शिक्षा ग्रहण की है। उसने वर्ष 2017 में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में शिक्षक पद के लिए आवेदन किया था लेकिन उम्र नौ दिन कम होने के कारण काउंसिलिंग में भाग ही नहीं ले पाई थी। उसके नाम, वल्दियत और अंकपत्र नंबर, रोल नंबर, उत्तीर्ण वर्ष, आधार नंबर का गलत तरीके से प्रयोग कर कोई और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में नौकरी कर रही है। यह जानकारी मुझे एक समाचार पत्र के माध्यम से मिली। राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा लखनऊ ने 11 जून को दोनों जिलों के बीएसए को पत्र लिखकर मामले की जांच करने का आदेश दिया। छानबीन में सच्चाई उजागर हुई। अनामिका प्रकरण से भी तार जुड़े होने का अंदेशा है।

कोरोना -19

सर्वदलीय बैठक में बोले शाह, मतभेद भूलकर दिल्ली में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सब हाथ मिलाएं

नेशनल डेस्क।

सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में सभी राजनीतिक दलों को अपने मतभेद भूलकर राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हाथ मिलाना चाहिए। शाह ने कहा कि इन कदमों से जनता का विश्वास बढ़ेगा और दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति में जल्द सुधार होगा भाजपा, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और बसपा के नेताओं ने इस बैठक में शिरकत की। इस दौरान कांग्रेस ने सबकी कोरोना जांच और ष्टश1द्वस्र-19 के पीड़ितों को 10-10 हजार देने की भी बात कही। साउथ ब्लॉक में करीब डेढ़ घंटा चली बैठक के बाद बाहर आए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि बैठक में शामिल सभी नेता दिल्ली को कोरोना से उबारने के लिए मिलकर काम पर सहमत थे।गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में कहा गृहमंत्री ने बैठक में बताया कि 20 जून तक दिल्ली सरकार रोजाना कोविड-19 की 18 हजार जांच शुरु कर देगी। उन्होंने कहा नियंत्रण जोनों में घर-घर जाकर कोरोना जांच होगी। दिल्ली में 242 कंटेनमेंट जोन है। शाह की अध्यक्षता में बैठक में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सासंद संजय सिंह और अन्य शामिल हुए। गृहमंत्री की पिछले 24 घंटों के दौर दिल्ली में कोरोना संक्रमण पर यह तीसरी बैठक है। रविवार को पहले दिल्ली सरकार और बाद में तीनों निगमों के महापौरों के साथ बैठक कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे। बैठकों में केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन , उपराज्यपाल अनिल बैजल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी मौजूद थे। कोरोना मामले में दिल्ली देश में तीसरे स्थान पर है।

राजधानी में पिछले तीन दिन से लगातार दो हजार से अधिक संक्रमण के मामले आ रहे हैं। रविवार को 2224 रिकॉर्ड नए मामलों से संक्रमितों का कुल

आंकड़ा 41182 और मृतक 1327 हो गई है।

मोदी मंगलवार-बुधवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से करेंगे बात, कोरोना पर होगी चर्चा

नेशनल डेस्क।

देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार और बुधवार को अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बात करेंगे। मोदी मंगलवार दोपहर को 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और प्रशासकों से बातचीत करेंगे। इनमें पंजाब, केरल, गोवा, उत्तराखंड, झारखंड, पूर्वोत्तर के राज्य और कुछ केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं। प्रधानमंत्री बुधवार को 15 राज्यों के मुख्यमंत्रियों और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से बातचीत करेंगे। इनमें महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात, बिहार और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच दो दिनों की डिजिटल बैठक होने जा रही है। बीच दो दिनों की डिजिटल बैठक होने जा रही है। मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की यह छठे दौर की वार्ता होगी, इससे पहले इस तरह की बैठक 11 मई को हुई थी। बता दें कि भारत में सोमवार को कोरोना वायरस के 11 हजार से अधिक मामले सामने आए जिससे कुल संक्रमितों की संख्या 3.32 लाख हो गई है

जबकि 325 और लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 9520 हो गई है। 'अनलॉक 1' के तहत आम लोगों और व्यवसाय के लिए कई छूट दी गई है ताकि लॉकडाउन के कारण प्रभावित आर्थिक गतिविधियां पटरी पर लौट सकें।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को 9 महामारी से ज्यादा प्रभावित इलाकों में इसके प्रसार को रोकने के लिए उठाए गए कदमों और स्थिति के प्रभावी प्रबंधन के रोडमैप की समीक्षा की थी।

बर्खास्त पीटीआई अध्यापकों को कानून बना कर बहाल करे खट्टर सरकारः सुरजेवाला

चंडीगढ़, । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा सरकार से बर्खास्त पीटीआई अध्यापकों को कानून बना कर बहाल करने की मांग की है। सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को इस सम्बंध में लिखे पत्र कहा कि उच्चतम न्यायालय के गत आठ अप्रैल के फैसले के बाद 1,983 पीटीआई अध्यापकों की नौकरी बर्खास्त करना 2,000 परिवारों के पेट पर असंवेदनशील तरीके से लात मारने के समान है। उन्होंने कहा कि इन पीटीआई अध्यापकों ने दस साल से अधिक प्रदेश में निस्वार्थ सेवा की है और इनमें से कई तो अब सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पीटीआई चयन प्रक्रिया में कोई भ्रष्टाचार पाया गया लेकिन राज्य सरकार द्वारा 1,983 पीटीआई अध्यापकों की कथित बर्खास्तगी से इनके और इनके परिवारों के सपने और भविष्य पूरी तरह से धराशायी हो गए हैं। सरकार का काम नौकरी देना है, नौकरी छीनना नहीं। खासतौर से तब, जब चयन प्रक्रिया में न तो कोई भ्रष्टाचार पाया गया और न ही चयनित पीटीआई अध्यापकों का कोई कसूर पाया गया। ऐसे में चयन प्रक्रिया संपूर्ण करने वाली एजेंसी की खामियों की सजा जिंदगी के इस पड़ाव पर पहुंचे इन 1983 पीटीआई अध्यापकों को क्यों मिले? कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि खट्टर सरकार को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि सेवा नियमों के अनुरूप पीटीआई काडर खत्म हो गया है तथा इस पद पर कोई नई नियुक्ति नहीं हो रही। पीटीआई अध्यापक से टीजीटी अध्यापक का 33 प्रतिशत प्रमोशन कोटा भी मौजूदा पीटीआई अध्यापकों की प्रमोशन या सेवा निवृत्ति के साथ सदा के लिए समाप्त हो जाएगा। अगर सरकार सही मंशा से हरियाणा की लंबे समय से सेवा कर रहे इन पीटीआई अध्यापकों के लिए आज भी मानवीय आधार पर सेवा में रखने की गुहार लगाए, तो कोई कारण नहीं कि अदालत इसे स्वीकार न करे।उन्होंने पत्र के राज्य सरकार एक विशेष कानून बना कर इन पीटीआई अध्यापकों को समायोजित कर सकती है। उन्होंने प्रस्तावित कानून का मसौदा भी बनाकर भी मुख्यमंत्री को भेजा है जिसे वह तत्काल अध्यादेश लाकर और इस अध्यादेश को विधानसभा से बाद में पारित करा कर कानून की शक्ल दी जा सकती है।

रेलवे ने 60 लाख प्रवासी मजदूरों को पहुंचाया घर, एक श्रमिक से लिया 600 रुपए किराया

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष विनोद यादव ने बताया कि एक मई से रेलवे ने 4450 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करते हुए 60 लाख प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्य पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि श्रमिक ट्रेनों के लिए औसत किराया प्रति व्यक्ति छह सौ रुपए परिचालन लागत का सिर्फ 15 प्रतिशत वसूल किया है। 5000 रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया कि रेलवे ज्यादा तापमान वाले इलाके में कोविड-19 के पृथक-वास डिब्बे के भीतर मरीजों के लिए ज्यादा सुविधाजनक माहौल बनाने के लिए कोच की छत को ठंडा रखने की व्यवस्था करेगा। ने सोमवार को इस बारे में बताया। रेलवे ने चार राज्यों में अब तक 204 पृथक-वास डिब्बे लगाए हैं। ट्रेनों के ये डिब्बे कोविड-19 के देखभाल केंद्र के तौर पर काम करेंगे। रेलवे के पृथक-वास वार्ड में सभी डिब्बे गैर वातानुकूलित होंगे। यादव ने कहा, ''जिन इलाकों में तापमान बहुत ज्यादा है वहां पर डिब्बों के भीतर तापमान कम करने के लिए व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा सारी स्वास्थ्य सुविधाए इस्तेमाल हो जाने की स्थिति में कोविड-19 डिब्बों को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध और पुष्ट मरीजों को अलग-अलग रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के अनुरोध के बाद मुंबई में सीमित तौर पर उपनगरीय सेवा शुरू की गई है। मुंबई में सीमित तौर पर उपनगरीय सेवा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के अनुरोध के बाद मुंबई में सीमित तौर पर उपनगरीय सेवा शुरू की गई है। इसके तहत मध्य रेलवे मे 100 जोड़ी, पश्चिमी रेलवे में 73 जोड़ी ट्रेनों की सेवा शुरू की गई है। केवल जरूरी सेवा से जुड़े लोग ही इन ट्रेनों मे सफर कर पाएंगे।

पंचतत्व में विलीन हुए सुशांत सिंह राजपूत

मुम्बई (एजेंसी) बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत पंचतत्व में विलीन हो गए।

उनका अंतिम संस्कार सोमवार को उपनगरीय विले पार्ले स्थित पवन हंस शमशान घाट में किया गया।

इस दौरान उनके पिता, परिवार के अन्य लोग और करीबी दोस्त मौजूद रहे। कोविड 19 प्रोटोकॉल की वजह से सुशांत की अंतिम यात्रा में 20 से अधिक लोग शामिल नहीं हो पाए।

बेटे सुशांत की मौत की खबर सुनकर उनके पति चचेरे भाई और अन्य रिश्तेदारों के साथ पटना से मुंबई पहुंचे थे।

दूसरी तरफ उनकी दोस्त रिया चक्रवर्ती मुंबई के कूपर अस्पताल पहुंची थीं, जहां सुशांत का शव रखा गया था।

सुशांत की अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए बॉलीवुड सेलेब्स श्मशान घाट पहुंचे।

श्रद्धा कपूर और कृति सेनन अपने दोस्त को अंतिम विदाई दी। फॉरेंसिक टीम भी उनके किराए के फ्लैट पर जांच पड़ताल करने पहुंची थी।

सुशांत की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आ गई है। रिपोर्ट में आया है कि सुशांत की मौत दम घुटने से हुई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पोस्टमॉर्टम के बाद सुशांत सिंह राजपूत के आर्गेन्स को जांच के लिए भेजा गया है।

सुशांत 34 साल के थे। उन्होंने बांद्रा स्थित अपने घर में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के एक अधिक. ारी ने बताया कि मुम्बई पुलिस को जांच में पता चला है कि अभिनेता अवसाद की दवाइयां भी ले रहे थे। अधिकारी ने बताया कि मौके से कोई पत्र बरामद नहीं हुआ है।

मुम्बई पुलिस के अलावा अपराध शाखा के अधिकारी भी रविवार को उनके किराए के फ्लैट में गए लेकिन कुछ भी संदिग्ध बरामद नहीं हुआ।

बताते चलें कि सुशांत के पिता पटना वाले घर में रहते थे।

उनके साथ वहां उनकी केयरटेकर लक्ष्मी देवी रहती हैं।

लक्ष्मी ने बताया कि सुशांत ने जब उन्हें आखिरी बार फोन किया था तो उन्होंने कहा था,

प्लीज मेरे पापा को कोरोना वायरस से बचाना।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तुम्हें जीतना था सुशांत

भारत के सबसे युवा संजीदा अभिनेताओं में एक सुशांत सिंह राजपूत की विदाई जितनी दुखद है, उससे कहीं ज्यादा चिंताजनक है। भारत के सफलतम युवाओं में शुमार सुशांत महज 34 की उम्र में जिस तरह से दुनिया से गए हैं, उस पर सिर्फ अफसोस संभव है। सरकार और युवा उन्हें आदर्श निगाहों से देख रहे थे। वह नीति आयोग के विशेष महिला उद्यमी अभियान और सुशांत4एजुकेशन से जुड़े थे। एक बहुत लंबा करियर उनके सामने था, लेकिन एक झटके में सब थम गया। यह सिनेमा उद्योग और देश के लिए सोचने-संभलने का वक्त है। कुछ बातें थीं, जो सुशांत को खास बनाती थीं। एक अभिनेता के रूप में वह संघर्ष करके ऊपर आए थे। दिल्ली में थियेटर से लेकर मुंबई में पवित्र रिश्ता जैसे धारावाहिक में चमकने तक। सिनेमा में काय पो छे से छिछोरे तक उनके बमुश्किल 12-13 साल के करियर में वह कभी भी हल्का काम करते नहीं दिखे। चुन-चुनकर अच्छी फिल्में करते थे और फिल्में भी अलग-अलग पृष्ठभूमि की। शुद्ध देसी रोमांस से क्रिकेट के खिलाड़ी तक और जासूस से डकैत तक की भूमिका को उन्होंने परदे पर जीवंत कर दिखाया था। अच्छे निर्देशक भी अभिनेता के रूप में उनका महत्व मानने लगे थे और यह जान गए थे कि सुशांत के कुशल शरीर के सहारे अभिनय के नाना फूल खिलाए जा सकते हैं। वह केवल अभिनेता नहीं थे, एक पारंगत प्रशिक्षित पेशेवर नर्तक भी थे। वह भाव प्रबल सात्विक अभिनय की सीढ़ियां तेजी से चढ़ रहे थे। भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी की भूमिका को उन्होंने इतनी संजीदगी से अंजाम दिया कि उन्हें चाणक्य, टैगोर और कलाम जैसी महान हस्तियों के रूप में उतारने की तैयारियां शुरू हो गईं। अपने चरित्र या किरदार में डूब जाने का हुनर उन्हें अलग ही अभिनेता वर्ग में ला खड़ा करता था। चेहरे पर भोलापन लिए गुहार लगाता आज का युवा कि 'हमको भी एक चांस दीजिए न सर'। उनके चेहरे पर एक स्वाभाविक संकोच था, जो चालाक होते लोगों की दुनिया में विरल होता जा रहा है। एक निहायत घरेलू, मुस्कान की सहज रेखाओं से चमक उठने वाला चेहरा अब हमारे बीच नहीं है, तो हमें निराश होने की बजाय निजता की उन सूनी पड़ती गुफाओं की पड़ताल करनी चाहिए, जिनमें कभी अवसाद इतना गाढ़ा हो जाता है कि जिंदगी का दम घुटने लगता है। महान फिल्मकार गुरु दत्त भी ऐसे ही गए थे, महज 39 की उम्र थी और उन्हें आज भी याद किया जाता है। 34 या 39 की उम्र हार मानने की नहीं, समय से दो-दो हाथ करने की होती है। पटना में जन्मा और वहीं बचपन बिताने वाला यह कलाकार चकाचौंध भरी दुनिया में बहुत आगे निकल आया था और अभी उसे बहुत आगे और ऊंचाई पर अपना झंडा गाड़ना था, तो दुनिया देखती। दुर्भाग्य, असमय ही एक ऐसी यात्रा रुक गई है, जिसकी ओर, लाखों युवा हसरत भरी निगाहों से देख रहे थे। आज वही युवा याद कर रहे हैं, सुशांत अपनी फिल्म छिछोरे में आत्महत्या के विरुद्ध पैरोकारी करते दिखे थे। बेशक, यह मौत एक चुनौती छोड़ गई है, बाहर चकाचौंध पैदा करने से ज्यादा जरूरी है, अपने अंदर के अंधेरे दूर करना। तमाम कलाएं सीखने से कहीं बड़ी कला है अपने अंदर आशा के दीप जलाए रखना। आज कोरोना जो शून्य पैदा कर रहा है, उसे देखते हुए आज इस कला की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा महसूस हो रही है।

आज के ट्वीट

बायकट

करण जौहर कौन है?? क्या गंदगी फैला रखी है इसने फिल्म इंडस्ट्री में।इसकी बपौती है क्या फिल्म इंडस्ट्री इसको मुंहतोड़ जवाब क्यों नहीं देते?एक हमारी शेरनी बहन कंगना राणावत है जो इसको जवाब देती है। इस गैंग की सभी फिल्मों का बायकट करो। -- बबिता फोगाट

आज़ादी की आड़ में नकारात्मकता का उफान

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्विटर और फेसबुक पर नाराजगी जाहिर की। और इन्हें जो कानूनी स्वायत्तता मिली हुई थी, उसे खत्म कर दिया। ट्रंप का कहना था कि अभिव्यक्ति की आज़ादी का मतलब दूसरे की स्वतंत्रता का हनन नहीं है। ट्रंप से, उनकी कार्यशैली, उनके बड़बोलेपन से आप असहमत हो सकते हैं, मगर उनकी इस बात में दम है। सोशल मीडिया को अपनी सीमाएं समझनी होंगी क्योंकि दुनिया में कहीं एबसोल्यूट आज़ादी जैसी चीज नहीं होती। हमारी आज़ादी तभी बनी रह सकती है जब हम दूसरे की आज़ादी को भी बनाए रखें। यह ठीक है कि सोशल मीडिया ने हमें अपनी बात कहने की आज़ादी दी है, मगर नेगेटिविटी और घृणा फैलाने में भी सोशल मीडिया का कोई जवाब नहीं, क्योंकि यहां किसी तरह की रोक-टोक नहीं। प्रिंट मीडिया की तरह न कोई जवाबदेही है, न ही कोई फिल्टर, जिसमें छन-छनकर चीजें बाहर आती हैं। समाज के हर तबके का ध्यान रखा जाता है, क्योंकि अखबार के पाठक हर तबके से आते है। अक्सर किसी कम्युनिटी को निशाना नहीं बनाया जाता। लेकिन सोशल मीडिया में किसी को नीचा दिखाना, किसी को नीचे गिराना, झूठी-सच्ची खबरें किसी के भी नाम से दे देना, पुराने फोटो, वीडियो, दूसरे देश के फोटो, घटनाएं अपने देश की घटनाएं बताकर डालना आम बात है। किसी से स्कोर सैटल करना, बदनाम करना, ब्लैकमेलिंग सब कुछ चलता है, के खाते में आता है। ठीक है कि झूठी बातें पकड़ में आ जाती हैं, मगर कई बार एक झूठी बात के कारण किसी का पूरा जीवन बर्बाद हो सकता है। आपकी आज़ादी किसी की बर्बादी पर क्यों खड़ी होनी चाहिए। लेकिन जो लोग इन दिनों आज़ादी-आज़ादी गला फाड़कर चिल्लाते हैं, वे बिल्कुल उसी वक्त अपनी इसी तथाकथित आज़ादी के डंडे से न जाने कितनों का शिकार करते हैं। इसके अलावा गान तो पॉजिटिविटी और अच्छी बातों का होता है, मगर जिसको देखो वह नकारात्मक बातें करके खुद को दूसरे से बड़ा बनाने और प्रकारंतर से बदला लेने की कोशिश करता है। जब से कोरोना और लॉकडाउन शुरू हुआ है, तब से ऐसी बातों की बाढ़ आ गई है। क्या पढ़े-लिखे, क्या अनपढ़, सब घटिया बातें करके, अपने को दूसरे से श्रेष्ठ सबित कर रहे हैं। शाहीन बाग में औरतें तब भी धरने पर बैठी थीं, जब कोरोना तेजी से फैलने लगा था। एक संवाददाता ने जब वहां बैठी कुछ औरतों से इस बारे में पूछा तो वे बोलीं—हमें अल्लाह कुछ नहीं होने देगा। कोरोना तो मोदी को होगा। इसी तरह एक भूतपूर्व चुनाव आयुक्त ने कहा कि भगवान करे मोदी को कोरोना हो जाए। गृहमंत्री अमित शाह के लिए एक महिला पत्रकार ने कैंसर होने की जैसी दुआ मांगी। इसी तरह हाल ही में जब संबित पात्रा कोरोना के शक में अस्पताल में दाखिल हुए, तो लोग सोशल साइट्स पर जैसे उनके बीमार होने की खुशियां मनाने लगे। तरह-तरह के चुटकुले लिखने लगे। कार्टून बनाने लगे। किसी के मरने की कामना करना, किसी की बीमारी के लिए दुआ मांगना, किसी के बीमार होने पर हंसना, खुशियां मनाना, आज़ादी के नाम पर समाज में इस तरह की गिरावट इससे पहले आपने कब देखी। इन बातों से पता चलता है कि हमारे समाज का कितना पतन हो चुका है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, क्या वे अमृत खाकर आए हैं। क्या मृत्यु और बीमारियां कभी उनका दरवाजा नहीं खटखटाएंगी। क्या वे इन सब बातों से बचे रहेंगे। भगवान बुद्ध और उस बुढ़िया की कहानी आपको याद है। जहां अपने बेटे की मृत्यु से दुखी होकर एक बुढ़िया भगवान बुद्ध के पास पहुंची और अपने बेटे को जीवित करने की प्रार्थना करने लगी। तब बुद्ध ने कहा कि वह एक कटोरा आटा किसी ऐसे घर से मांग कर लाए, जहां कभी मौत न आई हो। बुढ़िया को एक भी घर ऐसा न मिला और वह खाली हाथ लौट आई। इस कहानी का सबक यही है कि मृत्यु और बीमारियों से संसार में कोई नहीं बचा है। चाणक्य ने एक बार कहा था कि मनुष्य को अपने धन और स्वास्थ्य पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि क्या पता कब धन नष्ट हो जाए और कब गरीबी आ जाए। और कब कोई बीमारी शरीर में लग जाए। लेकिन आज के सोशल मीडिया वीर शायद इन बातों की तरफ कभी ध्यान नहीं देते हैं। वे सिर्फ और सिर्फ दूसरों का बुरा और गिरना ही क्यों देखना चाहते हैं। आप किसी के विचारों से असहमत हो सकते हैं। राजनीतिक रूप से उसका विरोध कर सकते हैं, विरोधी के खिलाफ चुनाव लड़ सकते हैं। मगर अपने विरोधी से इतनी नफरत कि हम बस उसका बुरा ही बुरा चाहें, यह कितना शर्मनाक है। अटल बिहारी वाजपेयी पंडित जवाहर लाल नेहरू के विचारों का अक्सर विरोध करते थे, लेकिन नेहरू जी की मृत्यु पर उन्होंने जो भाषण दिया, वह अभूतपूर्व है। इसी तरह अटल जी और राजीव गांधी भी एक-दूसरे के विरोधी थे, लेकिन जब राजीव गांधी को पता चला कि अटल जी को गुर्दे की समस्या है। उसका इलाज विदेश में ही हो सकता है तो राजीव गांधी अपने विदेश दौरे में अटल जी को साथ ले गए और उनका इलाज कराया। बाद में वाजपेयी जी ने कहा भी कि आज वह राजीव गांधी की वजह से ही जिंदा हैं। स्वर्गीय चंद्रशेखर श्रीमती इंदिरा गांधी के विचारों के बहुत विरोधी थे। लेकिन जब संजय गांधी की मृत्यु हुई, तो वह भागे-भागे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया था कि समझ में नहीं आ रहा था कि वह इंदिरा जी का सामना कैसे करेंगे। ये लोग इसी देश के नेता थे। एक-दूसरे के विचारों के विरोधी थे, लेकिन वे अपने विरोधी को नेस्तनाबूद नहीं करना चाहते थे। क्या इन नेताओं से कुछ सीखा जा सकता है। वरना तो वह दिन दूर नहीं जब अपने देश में भी सोशल मीडिया की दूसरे को लांछित करने की आज़ादी के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ेगा। निश्चय ही यह किसी के लिए अच्छा नहीं होगा। सोशल मीडिया पर यदि लोगों को अपनी आज़ादी चाहिए, तो उन्हें दूसरों की आज़ादी की भी कद्र करनी होगी।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

नारी संबंधी अतिवाद

श्रीराम शर्मा आचार्य/ कुछ समय से नर-नारी के सान्निध्य का प्रश्न अतिवाद के दो अन्तिम सिरों के साथ जोड़ दिया गया है। एक ओर तो नारी को इतना आकषर्क चित्रित किया गया कि उसकी मांसलता को ही सृष्टि की सबसे बड़ी विभूति सिद्ध कर दिया गया। कला ने नारी के अंग- प्रत्यंग की सुडौलता को इतना सराहा कि सामान्य भावुक व्यक्ति यह सोचने के लिए विवश हो गया कि ऐसी सुन्दरता को काम तृप्ति के लिए प्राप्त कर लेना जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। गीत, काव्य, संगीत, नृत्य, अभिनय, चित्र, मूर्ति आदि कला के समस्त अंग जब नारी की मांसलता और कामुकता को ही आकाश तक पहुंचाने में जुट जाएं, तो बेचारी लोकवृत्ति को उधर मुड़ना ही पड़ेगा। इस कुचेष्टा का घातक दुष्परिणाम सामने आया। यौन प्रवृत्तियां भड़की, नर-नारी के बीच का सौजन्य चला गया और एक दूसरे के लिए अहितकर बन गए। यौन रोगों की बाढ़ आई, शरीर और मन जर्जर हो गया, पीढ़ियां दुर्बल से दुर्बलतर होती चली गई, मनःस्थिति उस कुचेष्टा के चिन्तन में तल्लीन होने के कारण कुछ महत्त्वपूर्ण चिन्तन कर सकने में असमर्थ हो गई। तेज, ओज, व्यक्तित्व, प्रतिभा, मेधा, शौर्य और वर्चस्व जो कुछ महान था, वह सब कुछ इसी कुचेष्टा की वेदी पर बलि हो गया। नारी को रमणी सिद्ध करके तुच्छ सा मनोरंजन भले पाया हो, पर उससे जो हानि हुई उसकी कल्पना कर सकना भी कठिन है। जिनने भी मानवीय प्रवृत्तियों को इस पतनोन्मुख दिशा में मोड़ने के लिए प्रयत्न किया है वस्तुतः एक दिन वे मानवीय विवेक और ईश्वरीय न्याय की अदालत में अपराधियों की तरह खड़े किए जाएंगे। अतिवाद का एक सिरा यह है कि कामिनी, रमणी, वैश्या आदि बना कर उसे आकषर्ण का केंद्र बनाया गया। अतिवाद का दूसरा सिरा है कि उसे पर्दे, घूंघट की कठोर जंजीरों में जकड़ कर अपंग सदृश्य बना दिया गया, उस पर इतने प्रतिबन्ध लगाए गए जितने बन्दी और पशु भी सहन नहीं कर सकते। जेल के कैदियों को थोड़ा घूमने-फिरने की, हंसने-बोलने की आजादी रहती है। पर घर की छोटी सी कोठरी में कैद नववधू के लिए परिवार के छोटी आयु वालों के सामने ही बोलने की छूट है। बड़ी आयु वालों से तो उसे पर्दा ही करना होता है। न उनके सामने मुंह खोला जा सकता है और न उनसे बात की जा सकती है। पर्दा सो पर्दा, प्रथा सो प्रथा, प्रतिबन्ध सो प्रतिबन्ध।

कर्म से मानसिक शक्ति बढ़ा हासिल करें लक्ष्य

अमिताभ स.

लॉकडाउन खुलने के दौर में शहरियों को चिंता सताने लगी है कि कामगार गांव से न लौटे तो घर में रोज के काम कौन करेगा। रिक्शा में बैठाकर उन्हें बस या मेट्रो स्टेशन कौन लाएगा-ले जाएगा। उनकी फैक्टरियों में पसीना बहाकर कौन माल बनाएगा। वास्तव में, अब शहरियों को अपना काम स्वयं करने की आदत कहां रही है? आने वाले दौर में हमें कोविड-19 के साथ ही नहीं बग़ैर मददगारों के अपने काम खुद करने के साथ जीना सीखना होगा। यानी अपना-अपना काम पहले करने की सलाह। फिर भी अपना छोटा-बड़ा हर काम खुद करना आना ही चाहिए। याद रखिए, कोई दूसरा आपके लिए सब कुछ नहीं कर सकता। बहुत कुछ आप को खुद करना पड़ता है। कोशिश की जाए तो मुश्किल भी नहीं है। हालांकि, हर किसी को अक्सर लगता है कि मैं अगर थोड़ा-सा प्रयत्न करूं तो उन परिस्थितियों का निर्माण कर सकता हूं जो मेरी पहुंच से ज़रा बाहर लगती हैं। कहते ही हैं कि भक्ति करो, जैसे सब ईश्वर पर निर्भर है और कर्म करो, जैसे सब कुछ आप पर निर्भर है। कर्म न करने वाले ही मददगारों की आस में वक्त गंवाते रहते हैं। अपना हर कार्य बढ़िया करना ही सच्चा योग है। कर्म का मूलमंत्र यही है कि हम जो भी करें, पूरी निष्ठा और समूची लगन से करें। श्री श्री परमहंस योगानंद सत्संगों में बखान करते हैं, 'आपको पहले अपने शरीर की शक्ति को बढ़ाना चाहिए, फिर मन की शक्ति को। मानसिक शक्ति को बढ़ाने का सर्वोत्तम उपाय है कि आप प्रतिदिन कुछ अर्थपूर्ण लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करें। प्रतिदिन किसी ऐसी उपलब्धि को हासिल करें, जिसके बारे में आप सदा सोचते हैं कि आप नहीं कर सकते।' हौसला बढ़ाते हुए और कहते हैं, 'तुम्हें और अधिक प्रयत्न करना चाहिए तो करो। जुटे रहो अपने हाथों से जीवन की बगिया को संवारने में।' इसी भाव पर चीनी लोककथा है—एक बार वहां सूखा पड़ गया। बारिश नहीं हुई, लेकिन एक किसान रोज़ अपना फ़ावड़ा उठाकर खेत में पहुंच जाता। चौदह साल तक बारिश नहीं, मगर वह लगातार खेत जाता रहा और अपना काम करता रहा। अंततः इंतज़ार की घड़ियां ख़त्म हुईं, इंद्र देव मेहरबान हुए, झमाझम बारिश हुई। उसकी ज़मीन ने ढेरों-ढेर नमी सोख ली। क्योंकि वह मिट्टी को मुलायम करता रहा था। उधर बाक़ी किसानों ने सूखे से परेशान होकर, अपने खेत छोड़ दिए थे, उनके खेतों की मिट्टी सख्त और पथरीली हो चुकी थी। सो, वहां पानी तो खूब गिरा, लेकिन बह गया। बारिश के बावजूद खेती नहीं कर पाए। दरअसल, अगर व्यक्ति अपने काम में अविचलित जुटा रहे तो उसे किसी का मोहताज होने की ज़रूरत नहीं पड़ती। हर परेशानी का हल खुद के भीतर ही होता है। शक्तियां खुद के भीतर ही मौजूद हैं। भीतरी शक्ति को बाहर निकालकर नामुमकिन को भी मुमकिन किया जा सकता है। सद गुरु जग्गी वासुदेव समझाते हैं, 'जब आप अपने को कार्यकलापों में पूरी तरह झोंक देते हैं, तब आप की ऊर्जा बढ़ती और परिपक्व होती जाती है।' धर्म ग्रंथ कहते हैं—हमारे एक हाथ में काम और कर्तव्य है, तो दूसरे हाथ में सफलता सुनिश्चित है। जो अपना कर्म करता है, उसका भाग्य जाग जाता है, जो बैठा रहता है, उसका भाग्य बैठ जाता है और जो सोता रहता है, उसका भाग्य भी सो जाता है। इनसान हर क़िस्म की चुनौतियों और परीक्षाओं से लड़ने में सक्षम है। ईश्वर जैसे सब कुछ कर सकते हैं, वैसे ही इनसान भी सब कुछ कर सकता है। कमी होती है, इरादे को पाने के दृढ़निश्चय की। इनसान मन में कुछ भी ठान ले, तो वह कर सकता है। पुरुषार्थ में क़िस्मत बदलने तक का दमख़म है। कैसे? राजा विक्रमादित्य के पास सामुद्रिक लक्षण जानने वाला ज्योतिषी आया। उनके सामुद्रिक लक्षण देखकर ज्योतिषी गहरी सोच में डूब गया। असल में, लक्षणों के आधार पर उन्हें दुर्बल, दीन और कंगाल होना चाहिए था। लेकिन वह स्वस्थ, सम्पन्न और सम्राट थे। यानी जो-जो लक्षण ज्योतिषी ने देखे, उससे उलट उनका व्यक्तित्व दिखाई दिया। ज्योतिषी की दुविधा भांप कर राजा विक्रमादित्य बोले, 'ज्योतिषी आचार्य, आप चिंतित मत हों। बाहरी लक्षणों से अगर आप असन्तुष्ट हैं, तो ज़रा ठहरिएज', कहते-कहते विक्रमादित्य ने म्यान से तलवार निकाली और अपनी छाती पर नोक टिका दी। फिर बोले, 'छाती चीर कर दिखाता हूं, भीतर के लक्षण भी देख लीजिये।' ज्योतिषी झट से बोल पड़ा, 'मैं समझ गया, महाराज। आप निर्भय हैं, पुरुषार्थी हैं, इसलिए सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल हो गई हैं।' अपने हर छोटे-बड़े काम को सफलतापूर्वक हेतु उत्साहवर्धन के चंद अचूक सूत्र हैं—पहला, अपनी क्षमताओं को पहचानें, भीतर आत्मविश्वास जगाएं और स्वप्रेरित रहें। दूसरा, छोटा-बड़ा हर काम पूरे दमख़म से करें। छोटे-छोटे कामों को सफलतापूर्वक करने में खुद पर गर्व महसूस कीजिए। तीसरा, गुजरे दौर को याद कर, खेद जताने से कुछ हासिल होने वाला नहीं। नया सीखें और आगे बढ़ें। चौथा, सपने देखें ज़रूर, लक्ष्य तय करें और उन्हें हासिल करने के लिए लगे रहें। पांचवां, अगर आप नीति या योजना बनाने में चूक गए, तो समझिए कि आपकी चूकने की योजना बन गई। दूरदृष्टि हर हाल में अत्यंत ज़रूरी है। और छठा, हिम्मत नहीं हारनी है, जुनून के साथ लगे रहना जरूरी है। पहले ऐसे काम करें, जिन्हें करने में खुशी मिलती है, इससे पॉज़िटिव मूड बना रहता है और फिर सारे काम तेज़ी से सम्पूर्ण होने लगते हैं।

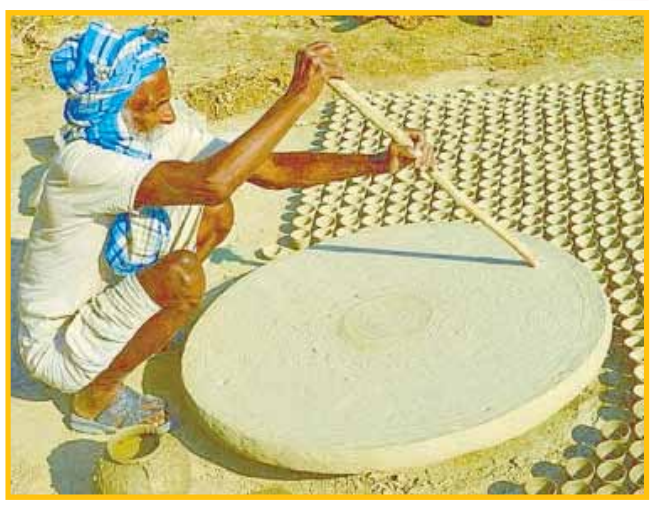

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कोल इंडिया के श्रमिक संगठनों की वाणिज्यिक खनन के खिलाफ अगले महीने तीन दिन हड़ताल की योजना

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड के श्रमिक संगठन सरकार के कोयला क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने और वाणिज्यिक खनन को मंजूरी देने के निर्णय के खिलाफ दो जुलाई से तीन दिन की हड़ताल पर जाने की योजना बना रहे हैं । श्रमिक संगठनों के हड़ताल पर जाने का यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब सरकार बृहस्पतिवार से वाणिज्यिक खनन की प्रक्रिया शुरू करने की योजना पर काम कर रही है। केंद्रीय श्रमिक संगठनों के वरिष्ठ नेताओं ने रविवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी। इसमें भारतीय मजदूर संघ, हिंद मजदूर सभा, इंटक, एटक और सीटू के नेता शामिल रहे। हिंद मजदूर सभा से संबद्ध हिंद खदान मजदूर फेडरेशन के अध्यक्ष नाथूलाल पांडे ने कहा, '' प्रस्तावित तीन दिन की हड़ताल का मसौदा नोटिस भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ समेत सभी केंद्रीय श्रमिक संगठन कोयला क्षेत्र में निजी कंपनियों के खनन को रोकने के लिए भविष्य में सभी लड़ाइयों में साथ रहेंगे। श्रमिक संगठनों की प्रमुख मांगों में कोयला खानों की वाणिज्यिक खनन के लिए नीलामी पर रोक, कोल इंडिया की परामर्श इकाई सीएमपीडीआईएल के कंपनी से अलगाव पर रोक, संविदा कर्मचारियों को उच्च शक्ति प्राप्त समिति द्वारा तय वेतन को देना और एक जनवरी 2017 से 28 मार्च 2018 के बीच सेवानिवृत्त लोगों के लिए ग्रेच्युटी राशि को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए किया जाना शामिल है।

एंप्री इलेक्ट्रिक व्हीकल ने पेश किया मैग्नस प्रो ई-स्कूटर

मुंबई। एंप्री इलेक्ट्रिक व्हीकल ने सोमवार को अपना ई-स्कूटर मैग्नस प्रो पेश किया। इसकी दिल्ली शोरूम में कीमत 73,990 रुपये है। एंप्री इलेक्ट्रिक, ग्रीव्ज कॉटन की ई-वाहन इकाई है। कंपनी का दावा है कि मैग्नस प्रो एक बार चार्ज करने पर 75 से 80 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसमें चोरी से रक्षा वाला अलार्म, डिजिटल एलसीडी क्लस्टर, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, एलईडी लाइट, टेलिस्कोपिक सस्पेंशन इत्यादि फीचर है। ग्रीव्ज कॉटन लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक नागेश भसवनहाली ने कहा कि कोविड-19 के बाद निजी वाहनों की ओर रुझान बढ़ा है। नया मैग्नस प्रो इस दिशा में एक बड़ा कदम है। कंपनी के पोर्टफोलिया में अब रियो-इलाइट, जील, वी48 सीरीज, रियो सीरीज और मैग्नस ई-वाहन हो गए हैं।

भारतीय स्टूडैंट्स और पेशेवरों ने अमेरिका से मुंह मोड़ा

नई दिल्ली। अमेरिका में बढ़ती बेरोजगारी की वजह से ट्रंप सरकार एच-1बी वीजा सहित रोजगार देने वाले अन्य वीजा को सस्पैंड करने की तैयारी कर रही है। अगर ऐसा होता है तो इससे भारतीय पेशेवरों को भारी झटका लग सकता है। कोरोना वायरस के कारण बने हालात के चलते अमेरिकी लोगों के लिए रोजगार बचाने हेतु ट्रंप सरकार ऐसा कदम उठाने जा रही है, लेकिन इससे पहले भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख के कारण हजारों भारतीय स्टूडैंट्स ने अमेरिका की बजाय कनाडा में जाकर पढ़ाई करने और बसने का मन बनाया है। इसका खुलासा नैशनल फाऊंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी (एन.एफ.ए.पी.) से प्राप्त आंकड़ों से होता है। आंकड़े दर्शाते हैं कि 2016-17 से 2018-19 के बीच 25 प्रतिशत से ज्यादा भारतीय छात्रों और पेशेवरों का रुझान अमेरिका की तरफ कम हुआ है और कनाडा की तरफ बढ़ा है। ट्रंप अगले सप्ताह एच-1बी वीजा सहित इंटरनेशनल स्टूडैंट्स के लिए ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए दिए जाते वीजा को निलंबित कर सकते हैं। यह कदम बड़े स्तर पर अमेरिका में पैदा हुई बेरोजगारी के चलते उठाया जा रहा है, भारतीय साइंस विषय के स्टूडैंट्स और पेशेवरों ने अमेरिकी नीतियों के चलते कोविड-19 से पहले ही कनाडा का रुख कर लिया है।

इस साल महंगा नहीं होगा प्याज, सरकार ने बनाया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्याज की अच्छी पैदावार के बीच घटते भाव देख सरकार ने सतर्कता बरतते हुए घरेलू बाजार में नेफेड को सरकारी खरीद के लिए उतार दिया है। सहकारी एजेंसी नेफेड ने चालू सीजन में एक लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाने का फैसला किया है, जो अब तक का सर्वाधिक है। शुरुआती दौर में ही तेज रफ्तार खरीद से नेफेड के पास 25 हजार टन प्याज का स्टॉक हो चुका है। 'फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन', सरकारी संस्थाओं और मंडियों में स्थापित खरीद केंद्रों से एजेंसी प्याज की सरकारी खरीद कर रही है। नेफेड ने पिछले साल रबी सीजन में 57 हजार टन प्याज की खरीद की थी लेकिन इस बार प्याज खरीद का लक्ष्य लगभग दोगुना यानी एक लाख टन कर दिया गया है। इससे जहां किसानों को सीधी मदद मिल जाएगी, वहीं उपभोक्ताओं को गैर-फसल मौसम में प्याज की पर्याप्त आपूर्ति की जा सकेगी। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के एफपीओ, सहकारी संस्थाओं और खरीद केंद्रों से तकरीबन 25 हजार टन प्याज की खरीद कर ली गई है। देश की विभिन्न मंडियों में प्याज का फिलहाल मूल्य 10 से 14 रुपए प्रति किलो के भाव चल रहा है। जबकि बड़े शहरों में प्याज का मूल्य 20 से 30 रुपए प्रति किलो तक है। प्याज का उत्पादन पिछले साल के 2.28 करोड़ टन के मुकाबले वर्ष 2019-20 में बढ़कर 2.67 करोड़ टन हो गया है।

इससे पूरे साल कीमत के काबू में रहने की संभावना है। लेकिन इसके मद्देनजर घरेलू बाजार में दाम घटने लगे तो सरकार अपनी एजेंसी को बफर स्टॉक की खरीद के लिए मंडियों में उतार दिया है। प्याज के स्टॉक को सुरक्षित बनाए रखने के लिए तकनीकी सेवाएं ली जा रही हैं। प्याज की क्वालिटी को सुरक्षित बनाए रखने के लिए।

सुनिश्चित रिटर्न वाले ऋण पत्र म्यूचुअल फंड में मई में निवेश 46 प्रतिशत बढ़कर 63,665 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। निश्चित आय वाली प्रतिभूतियों पर ध्यान देने वाले म्यूचुअल फंड में मई माह के दौरान माह-दर- माह आधार पर निवेश प्रवाह में 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 63,665 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बाजार में भुनाने में सरलता वाली योजनाओं में प्रवाह अधिक रहा है और इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने भी इस दिशा में कुछ नए उपाय किए हैं। सुनिश्चित आय का भरोसा देने वाली अथवा ऋण पत्र में निवेश करने वाले व्यक्तिगत श्रेणियों की तरफ से इनमें प्रवाह बेहतर रहा लेकिन मध्यम अवधि, एक दिन, ऋण जोखिम और गतिशील बॉड कोष जैसे निवेश साधनों में निकासी का रुझान देखा गया। एसोसियेसन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक निर्धारत आय देने वाली प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड में मई के दौरान 63,665 करोड़ रुपए का निवेश प्रवाह रहा जबकि एक माह पहले अप्रैल में इन म्यूचुअल फंड में 43,431 करोड़ रुपए का निवेश प्रवाह हुआ था। इससे पहले मार्च में इस वर्ग के म्यूचुअल फंड में 1.95 लाख करोड़ रुपए की भारी निकासी हुई।

रिलायंस के राईट इश्यू की धमाकेदार एंट्री, अनुमान से ऊपर 690 पर सूचीबद्ध

मुंबई। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के राइट्स इश्यू शेयरों सोमवार को धमाकेदा एंट्री के साथ 690 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के आंशिक भुगतान वाले राइट्स शेयर्स यानी रिलायंसपीपी आधार मूल्य 646 के मुकाबले 690 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। देश का सबसे बड़े राइट्स इश्यू को आकार की तुलना में अधिक 1.59 प्रतिशत अभिदान मिला था। इश्यू में खुदरा निवेशकों के हिस्से को 1.22 प्रतिशत अनुदान मिला था। प्रर्वतकों ने पात्रता के मुकाबले दोगुना बोलियां लगाई थी। राइट्स इश्यू के बाद मुकेश अंबानी की हिस्सेदारी बढ़कर 49.14 फीसदी हो गई है। अंबानी परिवार ने राइट्स में 28,286 करोड़ रुपए का निवेश किया है। बाजार विश्लेषकों के 600-650 रुपए के अनुमान की तुलना यह 690 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी तीन दशकों में पहली बार राईट्स इश्यू लाई और इससे 53124.20 करोड रुपए जुटाएगी। पिछले दस वर्ष में किसी गैर वित्तीय संस्थान का यह सबसे बड़ा इश्यू था और इसे 1.59 प्रतिशत अधिक अभिदान मिला। इश्यू के तहत दस रुपए मूल्य का शेयर 1247 रुपए प्रीमियम के साथ 1257 रुपए पर दिया जाएगा। इश्यू की राशि तीन किश्तों में अगले वर्ष नवंबर तक अदा करनी है। आवेदन के साथ फेसमूल्य का 25 प्रतिशत और 1257 रुपए प्रीमियम की चौथाई राशि देनी थी।

अब जोमैटो के डिलीवरी ब्वॉय आपके घर लेकर आएंगे फल-सब्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोविड-19 के दौर में आपको फल और सब्जी जैसी आवश्यक वस्तुओं के लिए भी घर से निकलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दिल्ली और एनसीआर में ताजे फल और सब्जी उपलब्ध कराने वाली सहकारी क्षेत्र की कंपनी मदर डेयरी की फल एवं सब्जियों की शाखा सफल ने रेस्टोरेंट एग्रीगेटर और फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो के साथ साझेदारी की है। अब जोमैटो के डिलीवरी ब्वॉय ग्राहकों के घर तक ताजे फल एवं सब्जियों की होम डिलीवरी की सुविधा देंगे। फिलहाल इसे चुनिंदा स्थानों के लिए शुरू किया गया है। बाद में इसका विस्तार पूरे दिल्ली-एनसीआर में किया जाएगा। मदर डेयरी से मिली जानकारी के अनुसार पहले चरण में, सपल ने दिल्ली-एनसीआर के चुनिंदा स्थानों में 11 बूथों से डिलीवरी शुरू की है। इन क्षेत्रों में स्थित सफल बूथ स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे जबकि जोमैटो ग्राहकों के घर तक फल एवं सब्जियों की डिलीवरी करेगी। हर सफल आउटलेट के 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले ग्राहकों के घर तक ये डिलीवरी ब्वॉय पहुंचेंगे। इस सुविधा को पाने के लिए ग्राहकों को उसी तरह से जोमैटो एप्लिकेशन के माध्यम से आर्डर करना होगा, जैसे वे किसी रेस्टोरेंट से खाना मंगाने के लिए आर्डर करते हैं। एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईटीसी भी इससे पहले ऐसा कर चुकी है। कंपनी ने आटा और दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं की होम डिलीवरी के लिए डोमिनोज पिज्जा से हाथ मिलाया है। इसके अलावा स्विगी, जोमैटो जैसी कंपनियों ने अन्य एफएमसीजी कंपनियों ने करार किया है। ई-कॉमर्स ब्रांड फ्लिपकार्ट ने भी सुपरमार्ट चेन विशाल मेगामार्ट के साथ भागीदारी की ताकि विशाल मेगामार्ट से खरीदने वालों को होम डिलीवरी की सुविधा मिल सके। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी एक स्टार्टअप फ़राज़ो ने मुंबई महानगर क्षेत्र में फल और सब्जियां वितरित करने के लिए डंज़ो के साथ करार किया है। सफल के बिजनस हेड प्रदीप्त साहू ने इस नई पहल पर बताया कि कोरोना काल में लोग कम से कम घर से निकलना चाहते हैं। ग्राहकों को फल सब्जी के लिए भी घर से नहीं निकलना पड़े, इसके लिए सफल ने जोमैटो के साथ साझेदारी की है। उन्होंने बताया कि शुरुआती चरण में, दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख स्थानों जैसे साकेत, वसंत कुंज, द्वारका, जनकपुरी और दिल्ली में पंचशील एन्क्लेव और नोएडा में सेक्टर 50 और सेक्टर 29 को कवर किया जाएगा।

आगे बढ़ते हुए, पूरे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कवरेज सुनिश्चित करने के लिए सेवा को धीरे-धीरे अन्य आउटलेट तक विस्तार किया जाएगा। इस समय सफल के पास दिल्ली-एनसीआर में 300 से अधिक बूथ हैं,।

लगातार 9वें दिन बढ़ें तेल के दाम, पेट्रोल 19 महीने और डीजल 20 महीने के उच्चतम स्तर पर

बिजनेस डेस्क। पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोत्तरी का सिलसिला जारी है। लगातार नौवें दिन पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। पेट्रोल के दाम करीब 19 महीने और डीजल के दाम लगभग 20 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत आज 48 पैसे बढ़कर 76.26 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई जो 21 नवंबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल की कीमत भी 59 पैसे बढ़कर 74.62 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई जो 26 अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। देश में पेट्रोल-डीजल के दाम 07 जून से रोजना बढ़ रहे हैं। इन आठ दिनों में दिल्ली में पेट्रोल 5 रुपए यानी 7 फीसदी और डीजल 5.23 रुपए यानी साढ़े सात फीसदी से अधिक महंगा हो चुका है। पेट्रोल की कीमत कोलकाता में आज 46 पैसे बढ़कर 78.10 रुपए, मुंबई में 47 पैसे बढ़कर 83.17 रुपए और चेन्नई में यह 43 पैसे बढ़कर 79.96 रुपए प्रति लीटर रही। डीजल कोलकाता में 53 पैसे महंगा होकर 70.33 रुपए, मुंबई में 57 पैसे महंगा होकर 73.21 रुपए और चेन्नई में 51 पैसे की वृद्धि के साथ 72.69 रुपए प्रति लीटर बिका।

आम्रपाली के ग्राहकों के लिए अच्छी खबर, 10 हजार होमबायर्स जल्द मिलेंगे फ्लैट

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

सरकारी कंपनी नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन (एनबीसीसी) की तरफ से आम्रपाली में फ्लैट बुक करने वालों को बड़ी राहत मिली है। एनबीसीसी का कहना है कि उसने आम्रपाली के रुके हुए प्रोजेक्ट्स पर निर्माण कार्य तेज कर दिया है। एनबीसीसी के टॉप अधिकारियों ने बताया है कि अगले साल जून अंत तक करीब 10 हजार लोगों को उनके घर मिल जाएंगे। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद लिया गया है, जिसमें कोर्ट ने वित्तीय संस्थाओं को आदेश दिया था कि वह घर खरीदारों को का बकाया होम लोन का पैसा उन्हें दें। एनबीसीसी के सीएमडी पीके गुप्ता ने कहा है कि इससे हजारों ऐसे लोगों को राहत मिलेगी, जो की सालों से अपने घर को लेकर परेशान थे। बता दें कि सभी आम्रपाली प्रोजेक्ट को पूरा होने में करीब 8,500 करोड़ रुपए की लागत लगेगी। एनबीसीसी ने सुप्रीम कोर्ट की मदद से 2 प्रोजेक्ट पूरे कर के दे भी दिए हैं। वहीं 8 अन्य प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

जिसके तरत 12,169 घर पूरे कर के देने हैं, जिसमें करीब 618.08 करोड़ रुपए की लागत आएगी। गुप्ता ने ये भी कहा कि उन्हें भरोसा है कि घरों को पूरा करने का काम काफी तेजी से होगा, क्योंकि घर खरीदारों की तरफ से बकाया रकम भी जमा कर दी गई है। इससे उन्हें काफी राहत मिलेगी। पिछले साल जुलाई में सुप्रीम कोर्ट ने एनबीसीसी को आम्रपाली प्रोजेक्ट को टेक ओवर करने और प्रोजेक्ट्स को पूरा करने की जिम्मेदारी दी थी। वहीं दूसरी ओर कोर्ट ने आम्रपाली के प्रमोटर्स के खिलाफ एक जांच भी शुरू करने का आदेश दिया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने घर खरीदारों के पैसे हड़पे हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रोजेक्ट्स अगले साल मई और जून के बीच डिलीवर हो सकते हैं।

बता दें कि एनबीसीसी आम्रपाली के कुल 23 हाउसिंग प्रोजेक्ट को पूरा करने में जुटा हुआ है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से देश भर में लगभग 1600 प्रोजेक्ट में करीब 4,58,000 हाउसिंग यूनिट का काम रुका हुआ है। एनसीआर में यूनिटेक और जेपी के प्रोजेक्ट भी एनबीसीसी ने टेक ओवर किए हुए हैं।

कोलकाता के शॉपिंग मॉलों में लोगों की आवाजाही, बिक्री बढ़ी

कोलकाता । कोलकाता में लॉकडाउन मानकों को आसान बनाने के बाद शॉपिंग मॉल में लोगों की आवाजाही और बिक्री बढ़ी है। इन प्रतिष्ठानों के अधिकारियों ने बताया कि शॉपिंग माल में आने वाले लोग कोविड-19 महामारी से पहले की तुलना में औसतन अधिक खरीदारी कर रहे हैं। शॉपिंग मॉल में पूर्ण लॉकडाउन के दौरान कोई आमदनी नहीं हुई, लेकिन इसके बावजूद उन्हें रखरखाव और अन्य मदों में खर्च करना पड़ा। एक्रोपोलिस मॉल के प्रमुख के विजयन ने बताया आठ जून के मुकाबले 13 जून को लोगों की आवाजाही बढ़ी है। बिक्री में सुधार हो रहा है और 90 प्रतिशत से अधिक दुकानें खुली हैं। क्वेस्ट मॉल के अधिकारियों ने भी दावा किया है कि 90 प्रतिशत से अधिक दुकानें खुली हैं। क्वेस्ट मॉल के उपाध्यक्ष (परिचालन) संजीव मेहरा ने कहा कि हमारे मॉल को संजीव मेहरा ने कहा कि हमारे मॉल को जिस दिन (आठ जून) दोबारा खोला गया, उसके मुकाबले लोगों की आवाजाही दोगुनी हो गई है और बिक्री भी बढ़ रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जब तक मल्टीप्लेक्स फिर से नहीं खोला जाता है, और बार तथा रेस्टोरेंट का समय नहीं बढ़ाया जाता, तब तक आवाजाही का स्तर यही बने रहने का अनुमान है।

महामारी से दुनियाभर में जोर पकड़ती साइकिलों की बिक्री

पोर्टलैंड (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के इस दौर में शारीरिक फिटनेस के लिए जिम जाने वाले वहां जाने से बच रहे हैं। यात्री सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने से डर रहे हैं और परिवार घर के भीतर उतावले हो रहे हैं ऐसे में साइकिल बाजार में बिक्री ने जोर पकड़ लिया है और यह इतनी तेजी से बढ़ रही है जैसी पिछले दशकों में नहीं देखी गई। अमेरिका में वालमार्ट और टारगेट जैसे बड़े विक्रेताओं के पास साइकिलों का स्टॉक समाप्त हो चुका है।

छोटी दुकानों में भी इसकी अच्छी बिक्री हो रही है। इन दुकानों में सस्ती ''पारिवारिक बाइक बिक रही हैं। अमेरिका में पिछले दो माह के दौरान साइकिलों की बिक्री में 1970 के तेल संकट के बाद से सबसे बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। जे. टावनली का यह कहना है। वह मानव जनित समाधान के तहत साइकिल उद्योग का विश्लेषण करते हैं। टावनली ने कहा, ''लोग काफी घबराहट में हैं और वह टायलेट पेपर की तरह अब साइकिल खरीद रहे हैं। जिस प्रकार महामारी की शुरुआत में लोग टायलेट पेपर और हैंड सेनिटाइजर खरीदने के लिए स्टोरों में उमड़ पड़े थे उसी प्रकार अब साइकिल की खरीदारी हो रही है। यह नजारा पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। जिन शहरों की सड़कों पर कारों का जमावड़ा रहता था। उन शहरों में अब साइकिलों के लिए अलग लेन बनाई जा रही है। सड़कों पर साइकिल बढ़ने से उनके लिए अलग व्यवस्था की जा रही है जबकि परिवहन में कटौती की गई है। लंदन के स्थानीय निकाय ने शहर के कुछ अंदरूनी इलाकों में कार आने जाने पर रोक लगाने की योजना बनाई है। वहीं फिलिपींस की राजधानी में साइकिल की बिक्री करने वाले दुकानदारों का कहना है कि क्रिसमस त्यौहार के मुकाबले मांग अच्छी है। इटली में साइकिल बिक्री के लिए सरकार की तरफ से प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

सरकार ने आरआईएनएल के नये चेयरमैन की खोज शुरू की

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने इस्पात उत्पादन करने वाली कंपनी आरआईएनएल के अगले चेयरमैन के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड (पीईएसबी) की अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के वर्तमान चेयरमैन पी. के. रथ मई 2021 में सेवानिवृत होने वाले हैं। उन्होंने सितंबर 2018 में यह पद संभाला था। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के चेयरमैन को सरकारी मंजूरी के बाद विस्तार भी दिया जा सकता है। पीईएसबी अधिसूचना में कहा गया कि चेयरमैन के पद पर नियुक्त होने वाला व्यक्ति कंपनी के निदेशक मंडल और भारत सरकार के प्रति जवाबदेह होगा। कंपनी के कुशलता से कामकाज करने और उसके कॉरपोरेट उद्देश्यों तथा प्रदर्शन के मानदंडों को हासिल करने के लिये भी उसकी जवाबदेही होगी। पीईएसबी भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत आने वाला विभाग है। यह निकाय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में चेयरमैन, प्रबंध निदेशक अथवा चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक और पूर्णकालिक निदेशकों की नियुक्ति अथवा सरकार द्वारा बताए गए किसी अन्य स्तर के पद पर पात्र व्यक्ति के चयन की जिम्मेदारी निभाने वाला निकाय है। बहरहाल, आरआईएनएल के चेयरमैन पद के लिये आवेदक की न्यूनतम आयु 45 वर्ष रखी गई है। इसमें कहा गया है कि बेहतर अकादमिक रिकॉर्ड के साथ आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्थान से स्नातक होना चाहिए। आवेदक को प्रबंधन के वरिष्ठ स्तर पर पर्याप्त अनुभव होना चाहिये। आवेदक का यदि वित्त, विपणन और उत्पादन क्षेत्र में भी अनुभव है तो यह उसके मामले में अतिरिक्त योग्यता होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि आरआईएनएल के चेयरमैन पद के लिये किसी अन्य सार्वजनिक उपक्रम अथवा निजी क्षेत्र की कंपनी का व्यक्ति भी आवेदन कर सकता है लेकिन वह व्यक्ति निदेशक मंडल के स्तर पर कार्यरत होना चाहिये। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार अथवा अखिल भारतीय सेवाओं से भी व्यक्ति पद के लिये आवेदन कर सकता है लेकिन यदि साक्षात्कार होने के बाद यदि ऐसा व्यक्ति पद का कार्यभार संभालने में अनिच्छा जाहिर करता है तो ऐसे व्यक्ति को किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में निदेशक मंडल सतर के पद पर नियुक्ति के लिये ।

पेप्सिको फाउंडेशन साफ पानी तक पहुंच सुनिश्चित करने पर करेगा 30 लाख डॉलर का निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेप्सिको फाउंडेशन ने सोमवार को कहा कि लोगों की साफ पानी तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वह 30 लाख डॉलर का निवेश करेगा। वाटरएड के साथ मिलकर वह पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के उच्च जल संकट वाले इलाकों में महिलाओं की मदद करेगा और कृषि समुदाय तक भी पानी पहुंचाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य दो लाख किसानों को पाइप से पीने का पानी पहुंचाना और जल संसाधनों को बढ़ाना है। इसी के साथ वह इन क्षेत्रों में सामुदायिक प्रबंधन आधारित जल वितरण प्रणाली को भी स्थापित करेगी। पेप्सिको फाउंडेशन की ओर से देश में किया जाने वाला यह निवेश उसकी 2030 तक दुनियाभर में 10 करोड़ लोगों तक साफ पीने का पानी पहुंचाने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। पेप्सिको फाउंडेशन ने कहा किउसने 2006 से अभी तक 4.4 करोड़ से अधिक लोगों की साफ पानी तक पहुंच सुनिश्चित करने में मदद की है। तक 4.4 करोड़ से अधिक लोगों की साफ पानी तक पहुंच सुनिश्चित करने में मदद की है। फाउंडेशन के भारतीय

परिचालन के अध्यक्ष अहमद अल शेख ने कहा, ''हमारी कंपनी के 'लक्ष्य के साथ विजय दृष्टिकोण पर चलते हुए हम पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से लोगों को साफ पानी के संरक्षण, प्रबंधन और वितरण में प्रभावी तौर पर मदद कर रहे हैं।

लॉकडाउन के चलते मई में थोक महंगाई दर 3.21 गिरी, खाने-पीने की चीजें हुई महंगी

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में मई माह के दौरान ईंधन और बिजली के दाम घटने से 3.21 प्रतिशत की गिरावट रही। हालांकि, इस दौरान खाद्य पदार्थों के दाम बढ़े हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी वक्तव्य के मुताबिक, ''मासिक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की सालाना दर मई 2020 के दौरान 3.21 प्रतिशत (अस्थाई आंकड़ा) नकारात्मक रही जो कि एक साल पहले इसी माह के दौरान 2.79 प्रतिशत बढ़ी थी। मई माह के दौरान खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति 1.13 प्रतिशत रही। इससे एक महीना पहले अप्रैल में यह 2.55 प्रतिशत थी। वहीं ईंधन और बिजली समूह में मई के दौरान 19.83 प्रतिशत अवस्फीति रही जबकि एक महीना पहले अप्रैल में भी इसमें 10.12 प्रतिशत की गिरावट रही थी। वहीं विनिर्मित उत्पादों के मामले में भी मई माह के दौरान 0.42 प्रतिशत की गिरावट रही। मुद्रास्फीति की विपरीत स्थिति को अवस्फीति कहते हैं। इसमें मुद्रा का मूलय बढ़ता है यानी कीमतें घटती हैं। उत्पादन तथा रोजगार घटने के साथ साथ कीमतें गिरतीं हैं। देश में 25 मार्च 2020 से लॉकडाउन लागू कर दिए जाने से आंकड़ों के संकलन पर भी असर पड़ा है। वाणिज्य मंत्रालय ने तब अप्रैल माह के लिए थोक मूल्य सूचकांक के संकुचित आंकड़े जारी किए थे। माह के लिए केवल खाद्य पदार्थों, प्राथमिक वस्तुओं और ईंधन एवं बिजली समूह के ही आंकड़े जारी

किए गए। बहरहाल, मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मार्च की थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति का अंतिम आंकड़ा 0.42 प्रतिशत रहा जबकि इससे पहले 14 अप्रैल 2020 को इसका अस्थाई आंकड़ा एक प्रतिशत जारी किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रिकेट

अफगानिस्तान के सबसे खराब टैस्ट डैब्यू को हुए 2 साल पूरे, शिखर धवन थे जिम्मेदार

जालन्धर। विश्व क्रिकेट में तेजी से बढ़ा नाम बनकर उभर रहे अफगानिस्तान की टीम के लिए 15 जून का दिन दो कारणों के चलते हमेशा के लिए इतिहास में अमर हो गया। एक- अफगानिस्तान ने इस दिन टैस्ट क्रिकेट में डैब्यू किया। दूसरा- पहले ही टैस्ट में उन्हें सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। असगर अफगान की अगुवाई में अफगानिस्तान की टीम ने बेंगलुरु के मैदान पर साल 2018 में भारत के खिलाफ मैच खेला था। इस मैच में भारतीय खिलाडियों ने कई रिकॉर्ड बनाए थे। टॉस जीतने के बाद भारतीय टीम ने पहले खेलने का फैसला लिया था। मुरली विजय और शिखर धवन की जोड़ी ओपनिंग पर उतरे। दोनों ने अफगानिस्तान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण को आड़े हाथों लिया। शिखर धवन तो इस दौरान अलग ही रंग में नजर आए। दोनों बल्लेबाजों ने पहली विकेट के लिए 28.4 ओवरों में 168 रन जोड़ दिए। खास बात यह रही कि धवन पहले ही दिन लंच से पहले शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने।धवन ने यामिन की गेंद पर नबी को कैच देने से पहले 96 गेंदों में 19 चौके और तीन छक्कों की मदद से 107 रन बनाए। मुरली विजय ने भी शतक लगाया। टैस्ट मैच को लेकर अफगानिस्तान अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के भरोसे पर थी। राशिद टी-20 और वनडे क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे थे। लेकिन टैस्ट क्रिकेट में पांव रखते हुए ही उनकी लय बिगाड़ गई। उन्होंने 34.5 ओवरों में 154 रन दे दिए। उनकी इकोनमी 4.42 रही। हालांकि वह दो विकेट निकालने में कामयाब तो हो गए लेकिन तब तक देरी हो चुकी थी। टीम इंडिया ने पहले ही दिन पहाड़-सा स्कोर खड़ा कर दिया था।

जवाब में खेलने आई अफगानिस्तान की टीम एक ही दिनों में दो बार ऑल आऊट हो गई। अफगानिस्तान की ओर से सर्वाधिक स्कोर शाहिदी का रहा जिन्होंने 36 रन बनाए। स्टार बल्लेबाज मोहम्मद शहजाद, रहमन शाह, मोहम्मद नबी आदि का बल्ला चल ही नहीं पाया। अफगानिस्तान को एकही दिन में दो बार आऊट करने के लिए भारतीय स्पिनरों ने उम्दा प्रदर्शन किया। अफगानिस्तान ने पहली पारी में 109 रन बनाए थे। अश्विन 4 तो जडेजा 2 विकेट निकालने में सफल रही। दूसरी पारी में अफगानिस्तान 103 ही रन बना पाया। यहां भी अश्विन ने 1 तो जडेजा ने 4 विकेट चटकाए। धवन को मैन ऑफ द मैच चुना गया था। अफगानिस्तान की टीम दोनों पारियों में महज 67 ओवर ही खेल पाई।

यह सबकॉन्टिनेट में किसी भी टीम का सबसे कम स्कोर था। इसी के साथ एक ही दिन में 24 विकेट भी गिरे। टैस्ट क्रिकेट में ऐसा 118 साल पहले यानी 1902 में हुआ था।

टेनिस की वापसी पर थिएम ने जीता ट्रॉफी

बेलग्राद। कोरोना वायरस के जारी कहर के बीच टेनिस की वापसी पर विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम ने फिलिप क्राजिनोविच को बेलग्राद में एड्रिया टूर टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम मैच में रविवार को 4-3 (7-2), 2-4, 4-2 से हराकर खिताब जीत लिया।थिएम और विश्व के 32 वें नंबर के खिलाड़ी क्राजिनोविच के बीच मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा। थिएम ने पहला सेट टाई ब्रेक में जीता लेकिन दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद यह सेट गंवा बैठे। थिएम ने तीसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए क्राजिनोविच को फिर कोई मौका नहीं दिया। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने इस दो दिवसीय चैरिटी टूर्नामेंट का आयोजन किया है। हालांकि एड्रिया टूर के मोंटेनेग्रो में 27-28 जून को होने वाला तीसरा चरण कोरोना के कारण रद्द कर दिया गया है।एड्रिया टूर का दूसरा चरण क्रोएशिया के तटीय शहर जदर में 20-21 जून को और अंतिम चरण बोस्निया के बांजा लूका में 3-4 जुलाई को होगा। एड्रिया टूर का दूसरा चरण क्रोएशिया के तटीय शहर जदर में 20-21 जून को और अंतिम चरण बोस्निया के बांजा लूका में 3-4 जुलाई को होगा। तटीय शहर जदर में 20-21 जून को और अंतिम चरण बोस्निया के बांजा लूका में 3-4 जुलाई को होगा। जोकोविच अपने ग्रुप में क्राजिनोविच के हाथों 1-2 की हार के कारण फाइनल में नहीं पहुंच पाए। वह ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे।

संक्षिप्त समाचार

शारजाह वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज - भारत के हरिकष्णा रहे उपविजेता

शारजाह । भारत के ग्रांड मास्टर और पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन पेंटाला हरिकृष्णा नें ऑनलाइन वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया है उन्होने 5 सुपर ग्रांड मास्टरों के दस राउंड के डबल राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में कुल 6.5 अंक बनाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया जबकि अजरबैजान के दिग्गज ग्रांड मास्टर और टॉप सीड शाकिरयार ममेद्यारोव 7.5 अंक बनाकर अविजित रहते हुए विजेता बने । हरिकृष्णा नें प्रतियोगिता में 5 शानदार जीत दर्ज की तो 3 ड्रॉ खेले जबकि दो मुक़ाबले में उन्हे हार का सामना करना पड़ा । हरिकृष्णा की सबसे खास जीत उन्होने पूर्व फीडे विश्व चैम्पियन उज्बेकिस्तान के रुस्तम काजीमजनोव के खिलाफ दर्ज की तो मिश्र के अमीन बासेम , पोलैंड के वोटटसजेक रड़स्लाव और यूएई के सलेम सलेह पर भी उनकी जीत शानदार रही । अन्य खिलाड़ियों में पोलैंड के वोटटसजेक रड़स्लाव 6 अंक बनाकर तीसरे ,5.5 अंक बनाकर उज्बेकिस्तान के रुस्तम काजीमजनोव चौंथे स्थान पर ,3.5 अंक बनाकर यूएई के सलेम सलेह चौंथे स्थान पर तो मिश्र के अमीन बासेम 1.5 अंक बनाकर छठे स्थान पर रहे ।

सिर्फ 7 मिनट में टीम इंडिया के कोच बन गए थे गैरी कर्स्टन, याद किया साल 2007

नयी दिल्ली। कोचिंग में उनकी दिलचस्पी नहीं थी और उन्होंने भारतीय टीम के कोच पद के लिये आवेदन भी नहीं किया था लेकिन गैरी कर्स्टन को 2007 में केवल सात मिनट में यह महत्वपूर्ण पद मिल गया था जिसमें महान सुनील गावस्कर की भूमिका भी अहम रही थी। कर्स्टन ने 'क्रिकेट कलेक्टिव' पॉडकास्ट में 2007 में घटी उन घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह सुनील गावस्कर के निमंत्रण पर साक्षात्कार के लिये गये थे जो कि तब कोच चयन पैनल का हिस्सा थे। कर्स्टन के सामने उनके पूर्ववर्ती ग्रेग चैपल का अनुबंध रखा गया था और आखिर में उन्हें यह पद मिल गया। कर्स्टन ने कहा, ''मुझे सुनील गावस्कर का ईमेल मिला था कि क्या मैं भारतीय टीम का कोच बनना चाहूंगा। '' उन्होंने कहा, ''मुझे लगा कि यह मजाक है। मैंने इसका जवाब भी नहीं दिया। उन्होंने मुझे एक और मेल भेजा जिसमें कहा था, ''क्या आप साक्षात्कार के लिये आना चाहोगे।'' मैं उसे अपनी पत्नी को दिखाया और उसने कहा कि उनके पास कोई गलत व्यक्ति है। '' कर्स्टन ने कहा, ''इस तरह से अजीबोगरीब ढंग से मेरा इस क्षेत्र में प्रवेश हुआ जो सही भी था। मेरे कहने का मतलब है कि मुझे कोचिंग का किसी तरह का अनुभव नहीं था। '' कर्स्टन ने कहा कि जब वह साक्षात्कार के लिये भारत पहुंचे तो उन्हें तत्कालीन कप्तान अनिल कुंबले से मिलने का मौका मिला और दोनों मेरी दावेदारी की संभावना पर हंस पड़े थे। उन्होंने कहा, ''मैं साक्षत्कार के लिये पहुंचा तो कई अजीबोगरीब अनुभव हुए। जब मैं साक्षात्कार के लिये आया तो मैंने अनिल कुंबले को देखा जो तब भारतीय कप्तान था । और उन्होंने कहा, 'तुम यहां क्या कर रहे हो।' मैंने कहा कि मैं आपका कोच बनने के लिये साक्षात्कार देने आया हूं। '' कर्स्टन ने कहा, ''हम इस पर हंस पड़े थे। यह हंसने वाली बात भी थी।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत एकमात्र लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज केमार रोच ने इंग्लैंड के खिलाफ आठ जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले कहा है कि उनकी टीम का पूरा ध्यान केवल जीतने पर होगा रोच ने कैरेबियाई मूल के इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को चेतावनी देते हुए कहा कि इस सीरीज में दोस्ती के लिए कोई जगह नहीं है और जब दोनों टीमें मैदान पर एक-दूसरे के आमने-सामने होंगी तो ध्यान केवल जीतने पर होगा। वेस्टइंडीज को इंग्लैंड के खिलाफ आठ जुलाई से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। कोरोना के कारण दुनिया भर में खेल गतिविधियां ठप्प रहने के बीच इस सीरीज से क्रिकेट की वापसी हो रही है और इस सीरीज के मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे। मार्च के मध्य में क्रिकेट रुकने के बाद यह पहली अंतर्राष्ट्रीय सीरीज होगी जो कोरोना के मद्देनजर नए दिशानिर्देशों के तहत खेली जायेगी। रोच ने कहा, जोफ्रा ने अपना फैसला कर लिया है और मैं समझता हूं कि उसने अब तक के अपने करियर में शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन इस सीरीज में दोस्ती के लिए कोई जगह नहीं है। इस सीरीज में बेहतर क्रिकेट खेलना और जीतना ही हमारा लक्ष्य है। जब हम जोफ्रा के सामने होंगे तो हमारे पास उसका मुकाबला करने के लिए एक शानदार योजना होगी।

अगर खिलाड़ी कोरोना सक्रमित नहीं है तो लार के इस्तेमाल की छूट मिलनी चहिए: अगरकर

नयी दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर का मानना है कि कोविड-19 महामारी के कारण लार पर प्रतिबंध सुरक्षित खेल के लिए जरूरी है लेकिन इस बीमारी की जांच में सामान्य रहने पर आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को इसके इस्तेमाल की छूट देने पर विचार करना चाहिए। अगरकर ने क्रिकेट में लार के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि यह गेंदबाजों के लिए उतनी ही जरूरी है ,जितना बल्लेबाजों के लिए बल्ला जरूरी होता है। आईसीसी का यह प्रतिबंध आठ जुलाई से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेली जानी वाली तीन टेस्ट की श्रृंखला से लागू होगा। कोविड-19 महामारी के कारण पिछले तीन महीने में यह पहली टेस्ट श्रृंखला होगी। भारत के लिए 191 एकदिवसीय और 26 टेस्ट खेलने वाले अगरकर ने कहा, '' मेरी चिंता इस बात को लेकर है कि मैच शुरू होने से पहले खिलाड़ियों की जांच की जाएगी। अगर वह कोविड-19 से संक्रमित नहीं है तो आप लार के इस्तेमाल पर विचार कर सकते है।'' इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ''यह मेरा विचार है और इस मुद्दे पर चिकित्सा क्षेत्र का कोई जानकर बेहतर जानकारी दे सकता है।'' पूर्व गेंदबाज ने हालांकि माना कि मौजूदा परिस्थितियों में आईसीसी की क्रिकेट और चिकित्सा समिति के पास प्रतिबंध के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा, '' गेंद को चमकाना बहुत महत्वपूर्ण है और इसके लिए कोई दूसरा तरीका मौजूद नहीं है लेकिन समितियों (आईसीसी की क्रिकेट एवं चिकित्सा समिति) के लिए यह एक मुश्किल है फैसला होगा।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 349 विकेट लेने वाले 42 साल के इस गेंदबाज ने कहा, '' जाहिर है ।

उन्होंने एक सुरक्षित तरीका अपनाया है और मौजूदा स्थिति में यह समझ में आता है। हमें एक बार इंग्लैंड की श्रृंखला के खत्म होने का इंतजार करना होगा। यह गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होने वाला है लेकिन हमें इंतजार करना पड़ेगा।'' अगरकर ने कहा कि क्रिकेट में पहले से ही 'बल्लेबाजों के पक्ष में है', ।

स्टीव स्मिथ ने इस भारतीय खिलाड़ी को बताया मौजूदा दौर का बेस्ट फील्डर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के अनुसार भारत के स्टार आलराउंडर रविंद्र जडेजा वर्तमान समय में खेल के सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक हैं जबकि उन्होंने युवा खिलाड़ियों में लोकेश राहुल को सबसे प्रभावशाली करार दिया। रविवार को इंस्टाग्राम पर स्मिथ ने अपने प्रशंसकों के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट है जिसमें उन्हें खेलना पसंद है। अपनी चपलता और तेज क्षेत्ररक्षण के लिए पहचाने जाने वाले जडेजा की कई पूर्व खिलाड़ियों ने तारीफ की है और मौजूदा खिलाड़ी उनका सम्मान करते हैं और स्मिथ भी इससे अलग नहीं हैं। यह पूछने पर कि मौजूदा खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक कौन है, स्मिथ ने जडेजा का नाम लिया। स्मिथ से जब यह पूछा गया कि कौन सा भारतीय खिलाड़ी उन्हें सबसे अधिक प्रभावित करता है तो उन्होंने कहा, ''लोकेश राहुल। वह काफी अच्छा खिलाड़ी है।' राहुल ने भारत के लिए 36 टेस्ट, 32 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 42 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम के नियमित सदस्य हैं। बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने के अलावा राहुल पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट में विकेटीकपर की भूमिका भी निभा रहे हैं। महेंद्र सिंह धोनी के बारे में पूछने पर स्मिथ ने कहा, ''लीजेंड। मिस्टर कूल।'' स्मिथ ने साथ ही भारतीय कप्तान विराट कोहली की बल्लेबाजी क्षमता को 'अनूठा' करार दिया। बर्मिंघम में पिछले साल पहले एशेज टेस्ट की पहली पारी में 144 रन की अपनी पारी को अब तक की सर्वश्रेष्ठ आंकने वाले राजस्थान रायल्स के बल्लेबाज स्मिथ ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) उनका पसंदीदा टूर्नामेंट है। स्मिथ ने कहा, ''आईपीएल को पछाड़ना मुश्किल है। दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ और खिलाफ खेलना।'' भारत को इस साल पूर्ण श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलिया का दौरा करना है।

वर्ल्ड नबंर-3 डोमिनिक थिएम ने जीता पहला लेग

फाइनल देखकर भावुक हुए जोकोविच, कहा- बचपन की याद आ गई

मुंबई (एजेंसी)। कोरोनावायरस के बीच सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने चैरिटी टूर्नामेंट एड्रिया टूर कराया है। यह टूर्नामेंट 4 लेग में खेला जा रहा है। पहला लेग वर्ल्ड नंबर 3 डोमिनिक थिएम ने अपने नाम किया है। उन्होंने रविवार को फाइनल में फिलिप क्राजिनोविक को 4-3 (7-2), 2-4, 4-2 से हराया। फाइनल में थिएम ने क्राजिनोविक को पहले सेट में ट्राइब्रेकर में हराया। फाइनल में थिएम ने क्राजिनोविक को पहले सेट में ट्राइब्रेकर में हराया। दुनिया के 32वें नंबर के खिलाड़ी क्राजिनोविक ने उलटफेर करते हुए दूसरा सेट 4-2 अपने नाम कर लिया। हालांकि तीसरे सेट में थिएम ने शानदार वापसी की और 4-2 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। जोकोविक फाइनल देखकर भावुक हु फाइनल देखकर जोकोविच भावुक हो गए थे। उन्होंने मीडिया को बताया कि बचपन की याद ताजा हो गई। जब उन्होंने पहली बार 4000 दर्शकों के बीच खेला था और जीत के बाद उनकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए थे। जोकोविक फाइनल में नहीं पहुंच सके जोकोविक फाइनल में जाने से चूक गए थे,

उन्हें शनिवार को क्राजिनोविक से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा और ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे। वहीं थिएम ने फाइनल तक के सफर में दमिर दजुमहुर (2-0), दुसान लाजोविक (2-1) और ग्रिगोर दिमित्रोव (2-0) को हराया। एड्रिया टूर का फाइनल स्टेप 3-4 जुलाई को एड्रिया टूर का दूसरा लेग 20-21 जून को क्रोएशिया के जादर और फाइनल (चौथा) लेग 3-4 जुलाई को बोस्निया और हर्जेगोविना में होगा एड्रिया टूर का फाइनल स्टेप 3-4 जुलाई को एड्रिया टूर का दूसरा लेग 20-21 जून को क्रोएशिया के जादर और फाइनल (चौथा) लेग 3-4 जुलाई को बोस्निया और हर्जेगोविना में होगा। इसका तीसरा लेग 27-28 जून को पॉडगोरिका, मोंटेनेग्रो में होने वाला था, लेकिन कोरोना के कारण वहां यात्रा पर रोक है। इसकी वजह से शनिवार को इसे रद्द कर दिया गया।

तीसरे नंबर पर अधिकांश रिकार्ड तोड़ सकते थे धोनी : गंभीर

मुंबई। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि महेंद्र सिंह धोनी अगर 50 ओवरों के क्रिकेट में तीसरे नंबर पर उतरते तो बल्लेबाजी के सारे रिकार्ड उनके नाम होते । गंभीर को भारत के मौजूदा कप्तान विराट कोहली और धोनी में से एक को चुनने को कहा गया था । उन्होंने स्टार स्पोटर्स के शो 'किर्केट कनेक्टेड' से कहा ,'' दोनों की तुलना करना काफी कठिन है क्योंकि एक तीसरे नंबर पर तो दूसरा छठे या सातवें नंबर पर उतरता है ।'' गंभीर ने कहा कि धोनी तीसरे नंबर पर उतरते तो बल्लेबाजी के अधिकांश रिकार्ड तोड़ चुके होते । उन्होंने कहा ,'' शायद मैं एम एस धोनी को चुनता । सपाट विकेटों पर मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण के बीच तीसरे नंबर पर वह बेहतरीन होते ।'' उन्होंने कहा ,'' श्रीलंका, बांग्लादेश, वेस्टइंडीज को देखो । अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी के स्तर को देखते हुए एम एस धोनी अधिकांश रिकार्ड अपने नाम कर लेते ।'' विश्व कप 2007 और 2011 की विजेता टीम के सदस्य रहे गंभीर ने कहा कि धोनी अगर भारत के कप्तान नहीं होते और तीसरे नंबर पर उतरते तो दुनिया के सबसे मनोरंजक बल्लेबाज होते । वहीं भारत के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने कहा कि धोनी और कोहली में से तीसरे नंबर के लिये वह कोहली को चुनते । उन्होंने कहा ,'' एम एस को तीसरे नंबर पर मौके मिले लेकिन उन्होंने नहीं किया । मेरा मानना है कि विराट और धोनी में से तीसरे नंबर के लिये विराट के पास बेहतर तकनीक है ।''

भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण में अच्छा संतुलन

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेट कप्तान शॉन पोलक ने रविवार को कहा कि भारतीय टीम इस समय बहुत मजबूत स्थिति में है क्योंकि उसका तेज गेंदबाजी आक्रमण अच्छा है। पोलक ने साथ ही कहा कि टीम में स्थान पाने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है जो भारतीय टीम के लिए और भी अच्छी बात है। पोलक ने सोनी नेटवर्क पर पिट स्टॉप शो पर कहा, भारतीय टीम इस समय काफी मजबूत स्थिति में है (जहां तक तेज गेंदबाजी की बात है)। गेंदबाजी में गहराई, आपके पास जितनी विविधता है, आपके पास कुछ लंबे खिलाड़ी हैं तो कुछ छोटे, तेज, योग्य, गेंद को हिलाने वाले गेंदबाज हैं। आप उन लोगों के बीच में से चुन सकते हैं, आपके पास अच्छा संतुलन है।उन्होंने कहा, अगर आप तीन तेज गेंदबाजों और चार गेंदबाजों के साथ खेलना चाहते हैं तो आपके पास वो खिलाड़ी हैं जो खेल सकते हैं। वो दिन गए जब आपके पास जवागल श्रीनाथ और वेंकटेश प्रसाद थे, लेकिन उनके विकल्प नहीं..जैसे दक्षिण अफ्रीका में थे। तीसरा गेंदबाज और बैकअप गेंदबाज..वो हो सकता है कि उस समय उस स्तर के न रहे हों। मुझे यही लगता कि इसी कमी को भारत ने सुधारा है। दाएं हाथ के पूर्व गेंदबाज ने कहा, मुझे लगता है कि आप लोग अच्छी स्थिति में हैं और आपके पास क्वालिटी है। टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा भी है। बात हुई थी और वह कह रहे थे कि यह अच्छी बात है कि हर कोई प्रतिस्पर्धा कर रहा है, खेलने को तैयार है, आपको लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है। मेरी कल जसप्रीत बुमराह से बात हुई थी और वह कह रहे थे कि यह अच्छी बात है कि हर कोई प्रतिस्पर्धा कर रहा है, खेलने को तैयार है, आपको लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है। अगर आपके कुछ मैच अच्छे नहीं जाते हैं तो कोई और आकर आपका स्थान ले सकता है। इसलिए भारत में स्थिति अच्छी है। सलाइवा पर बैन को लेकर पोलक ने कहा कि उम्मीद है कि यह ज्यादा दिन नहीं चलेगा।उन्होंने कहा, आप गेंद पर पसीने का उपयोग कर सकते हैं। उम्मीद है ।

उम्मीद है कि यह तीन-छह महीने से ज्यादा नहीं होगा और इसके बाद हम सामान्य स्थिति में आ सकते हैं। उदाहरण के तौर पर न्यूजीलैंड, उन्होंने घरेलू लीग शुरू कर दी है और वहां यह मुद्दा नहीं होगा क्योंकि उनके यहां वायरस नहीं है।

चैरिटी टूर्नामेंट: सर्बिया के जोकोविच को मिली पराजय, मोंटेनेग्रो चरण रद्द

बेलग्राद (एजेंसी)।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को उनके द्वारा आयोजित चैरिटी टूर्नामेंट में शनिवार को अपने दो एकल मैचों में से एक में हार का सामना करना पड़ा जबकि चार चरणों के इस टूर्नामेंट के एक चरण को कोरोना वायरस के खतरे के चलते रद्द कर दिया गया है। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर में खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं और इस टूर्नामेंट से टेनिस ने वापसी की है। इस टूर्नामेंट को देखने के लिए 4000 दर्शक मौजूद थे। अपने पहले मैच में हमवतन खिलाड़ी विक्टर ट्रायकी को हराने के बाद जोकोविच ने कहा कि उन्हें इस बात से निराशा है कि एड्रिया टूर के मोंटेनेग्रो में 27-28 जून को होने वाला तीसरा चरण रद्द कर दिया गया है। एड्रिया टूर के मोंटेनेग्रो में 27-28 जून को होने वाला तीसरा चरण रद्द कर दिया गया है। एड्रिया टूर का दूसरा चरण क्रोएशिया के तटीय शहर जदर में 20-21 जून को और अंतिम चरण बोस्निया के बांजा लूका में 3-4 जुलाई को होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन खुद जोकोविच ने किया है जिसमें आठ खिलाड़ियों को दो पूल में बांटा गया है। ट्रायकी को लगातार सेटों में हरने के बाद जोकोविच को क्राजिनोविच से 4-2, 2-4, 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

ऑनलाइन डेटिंग कैसे रहें सुरक्षित

अक्सर ही ऑनलाइन डेटिंग के जरिये पहले दोस्ती और फिर धोखे की खबरें भी सुर्खियां बनती हैं. इस क्षेत्र में सुरक्षित रहने के लिए कुछ बातों पर दें विशेष ध्यान

अगर ऑनलाइन साथी की तलाश कर रहे हैं तो विभिन्न सर्च इंजन की सहायता लें. साथ ही, ऑनलाइन फ्रेंड से रीयल लाइफ में मिलने का निर्णय लेते हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि वह जगह पब्लिक प्लेस हो, अगर आप इंटरनेट के जरिए अपने प्यार की तलाश कर रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखें...

क्या आप ऑनलाइन डेटिंग के बारे में सोच रहे हैं? अगर हां, तो जरा संभल के. इसमें थोड़ी सी लापरवाही आपके लिए खतरा भी बन सकती है.

ऑनलाइन डेटिंग मैगजीन के अनुसार, बीस प्रतिशत अमेरिकी ऐसे व्यक्ति के साथ डेटिंग पर बाहर जाते हैं जिनसे वे ऑनलाइन मिले होते हैं, जबकि हर साल ऑनलाइन मिलने वाले लोगों में से 2,80,000 लोग शादी कर लेते हैं.

हालांकि ये आंकड़े विदेश के हैं लेकिन हमारे देश में भी ऑनलाइन डेटिंग का क्रेज कम नहीं है. भले ही ऑनलाइन डेटिंग के जरिये मनचाहा साथी मिल जाता हो लेकिन इस आभासी दुनिया में छल करने वालों की भी कमी नहीं है.

साइट्स की पहचान

कुछ साइट्स हैं जो यह निर्णय करती हैं कि आप किससे मिलें, जबकि कुछ साइट्स आपको आवश्यक डेट के बारे में सलाह देती हैं. सबसे जरूरी बात आप इन साइट्स की कीमत को जरूर जांच लें. छोटे और क्षेत्रीय साइट्स को भी नजरअंदाज न करें.

ईमानदारी से बनायें प्रोफाइल

ऑनलाइन प्रोफाइल बनाते समय अपनी उम्र, बैकग्राउंड या आदतों के बारे में झूठे बयान देने से बचें. लेकिन अपने बारे में बहुत अधिक जानकारी देने से बचें, चाहे आप अगले व्यक्ति को पहचानते ही क्यों न हों. अच्छी लेकिन अप-टू-डेट फोटो पोस्ट करें, किसी भी तरह की अश्लीलता से बचें.

थोड़ी बेईमानी की उम्मीद

विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन डेटिंग रिलेशन बनाने का बजाय एक तरह से विज्ञापन होता है. यह ऐसा विज्ञापन होता है जो अतिशयो क्तिपूर्ण कथन और झूठ से भरा होता है. दोस्ती करने वाला उनसे उम्मीद करता है कि अगला व्यक्ति अपनी बेस्ट फोटो अपलोड करेगा जबकि वह अपनी कम उम्र की फोटो के साथ ही अपने वजन का भी कई किलो छिपा जाता है.

फ्रॉड से बचें

किसी भी नई तकनीक के समान ही ऑनलाइन डेटिंग के भी कुछ नकारात्मक पहलू हैं. इनमें से सबसे बड़ी बात फ्रॉड की है. बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय सहायता संघ भी वजूद में हैं जो ऑनलाइन डेटिंग साइट पर भी मौजूद हैं और अक्सर इस तरह के मैसेज भेज कर दावा करते हैं कि कुछ लोग हैं जो मुसीबत में हैं और उनके पास पैसे नहीं हैं. अगर कोई ऐसी बात करे, खासकर किसी दूसरे देश का व्यक्ति, तो तुरंत उससे नाता तोड़ लें.

तहकीकात करें

परिवार या दोस्त कभी भी आपके संभावित ऑनलाइन डेटिंग की जांच नहीं कर सकते. इसलिए आपको थोड़ा सा जासूसी वाला काम भी करना पड़ेगा. जिससे ऑनलाइन मिले हैं और फिर उस व्यक्ति से वास्तव में मिलने जा रहे हैं तो उनके बारे में थोड़ी जांच-पड़ताल भी करें. इसके लिए मल्टीपल सर्च इंजन का सहारा लें. आपराधिक बैकग्राउंड की भी जांच करें. इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उसके अनुसार जो वह है, वह सच है.

सार्वजनिक स्थल पर मिलें

वास्तव में, ऑनलाइन फ्रेंड के साथ मिलने की स्थिति आने पर किसी सार्वजनिक स्थल पर भी मिलने का प्रयास करें. साथ ही, आप कहां जा रहे हैं और किससे मिलने जा रहे हैं और कब वापस आएंगे, अगर इसकी सूचना परिवार और मित्रों को देकर जाएंगे तो बेहतर होगा. अपना फोन हाथ में रखें. अगर डेट पर किसी भी तरह की असहजता महसूस करें तुरंत उस जगह को छोड़ दें.

यूं सजाएं अपना आशियाना

घर छोटा हो या बड़ा, चाहत सिर्फ इतनी रहती है कि अपना घर सबसे अलग और सुंदर नजर आए. सूझबूझ से आप भी घर को सुंदर बना सकती हैं.

यदि आप घर को नेचुरल लुक से संवारना चाहती हैं तो उसके लिए फूलों का प्रयोग करें. फूल यदि प्राकृतिक ले सकें तो ठीक, वरना बाजार में मिलने वाले आर्टिफिशल फूलों का प्रयोग करें. कोशिश करें कि एक कमरे में एक से ज्यादा फूलदान ना हों. यदि रखने ही हों तो सबसे पहले सबसे छोटा और सबसे आखिरी में बड़े साइज वाला फूलदान रखें. घर सजाने के लिए कैंडल का प्रयोग भी कर सकती हैं.

फूलों से सजाएं

कैंडल सजाते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि वे विषम संख्या में हों. ड्राइंग रूम बड़ा हो तो चारों कोनों में चार नहीं भी लगा सकें तो कम से कम दो कोनों में हैंगिंग लैंप लगाएं. हालांकि, ड्राइंग रूम में ट्यूब लाइट से परहेज करना बेहतर होता है. ड्राइंग रूम में अगर दो खिड़कियों के बीच लंबा गैप हो तो वहां लंबी तस्वीरों की जगह चौड़ी तस्वीरों का प्रयोग करें. ऐसा करने से कमरा खाली-खाली नहीं लगेगा.

आकर्षक फर्नीचर

ड्राइंग रूम का फर्नीचर सदैव आकर्षक रखें. इसका डिजाइन परंपरागत हो या आधुनिक, लुभावना होना चाहिए. दीवार पर हाथ से सुंदर मोटिफ, बेल या फूल बनाएं. इस सजावट के बाद आपको वॉल पेपर की जरूरत नहीं पड़ेगी. इन दिनों बाजार में सोफा कवर के लिए फ्लोरल फैब्रिक का अधिक चलन है. यह घर को मॉडर्न लुक देता है. कर्लड ग्लासेस और स्टोन का प्रयोग भी कमरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कर सकती हैं. जगह बचाने के लिए कम जगह घेरने वाले फर्नीचर का प्रयोग करें. इसके अलावा आप जैपनीज स्टाइल के बेड का इस्तेमाल भी कर सकती हैं.

कुशंस से सजाकर नया लुक

अगर जगह कम हो तो ड्राइंग रूम में कॉम्पैक्ट स्टूल बेड या चेयर बेड का इस्तेमाल करें. इन दिनों सोफा कम बेड कई शेप में आ रहे हैं. अपने बजट और आवश्यकता के हिसाब से इनका चयन करें. साधारण सोफा सेट को कलरफुल कुशंस से सजाकर नया लुक दिया जा सकता है. मॉडर्न और ओल्ड वर्जन का फ्यूजन करने में संकोच न करें. इसके लिए पुराने जमाने के टेलीफोन या ग्रामोफोन भी सजावट के तौर पर इस्तेमाल कर सकती हैं. गिंग लाइट्स या फ्लोर स्टैंडिंग, स्टैंर्डड लैंप जैसी डेकोरेटिव लाइट्स के प्रयोग घर छोटा हो या बड़ा, चाहत सिर्फ इतनी रहती है कि अपना घर सबसे अलग और सुंदर नजर आए. सूझबूझ से आप भी घर को सुंदर बना सकती हैं. घर को स्टाइलिश लुक देने के लिए अपने बजट के अनुसार हल्की-फुल्की एक्से सरीज खरीदें, जैसे-ग्लास पीसेस, फ्लावर पॉट वगैरह. पर्दों के लिए सिल्क के कपड़ों में स्ट्राइप्ड या वर्टीकल स्ट्राइप डिजाइन किए गए फैब्रिक का प्रयोग बेहतर होगा. कमरे को बड़ा लुक देने के लिए छोटे पैटर्न और डिजाइन वाले कालीन का प्रयोग करें. घर के फर्नीचर से लेकर कमरे के साज-सामान तक के लिए गहरी लाइन वाले फैब्रिक चुनें. इस तरह थोड़ी-सी समझदारी और सूझबूझ से आप कम बजट में भी घर को नया और आधुनिक रूप दे सकती हैं.

बढ़ती उम्र की महिलाओं का हेल्दी डाइट

हॉट फ्लैश मीनोपॉज का संकेत देने वाला मुख्य लक्षण है. इसे हेल्दी डाइट के जरिये नियंत्रित भी किया जा सकता है.

आमतौर पर मीनोपॉज से पूर्व महिलाएं हॉट फ्लैश का सामना करती हैं, जो सामान्य बात है. डॉक्टरों के अनुसार, हॉट फ्लैश मीनोपॉज का संकेत देने वाला मुख्य लक्षण है. मीनोपॉज से पहले हॉट फ्लैश का अनुभव करना इसलिए भी बहुत सामान्य बात है क्योंकि इस दौरान शरीर का हार्मोनल स्तर फ्लक्चुएट यानी ऊपर-नीचे होता रहता है.

अक्सर यही फ्लक्चुएशन हॉट फ्लैशेज का कारण बनता है. हॉट फ्लैशेज में अचानक ही कुछ सेकेंड्स के लिए बहुत तेज गर्मी का अहसास होता है. हालांकि यह सच है कि मीनोपॉज के निकट पहुंच चुकी महिलाओं के लिए हॉट फ्लैशेज सामान्य बात है लेकिन इसे हेल्दी डाइट के जरिये नियंत्रित भी किया जा सकता है. कुछ प्राकृतिक खाद्य पदार्थ हैं जिनसे हॉट फ्लैश की गर्मी से काफी हद तक बच सकती हैं.

हाई फाइबर फूड्स की जरूरत

रेशों से भरपूर खाद्य पदार्थ हॉट फ्लैशेज से बचने का बेहतर उपाय है कि आप अपनी डाइट में हाई फाइबर फूड्स को शामिल करें. ऐसा इसलिए क्योंकि शरीर के ब्लड शुगर को मेंटेन रखने के लिए रेशों से भरपूर खाद्य पदार्थ उपयोगी होते हैं. इसलिए यह हॉट फ्लैशेज को कम करने में सहायक होता है. हाई फाइबर खाद्य पदार्थों में साबुत अनाज, ब्रोकली, सेब, अमरूद, गाजर आदि शामिल होते हैं. फलियों में आप बीन्स, मसूर और मटर को चुन सकती है. रेशेदार भोजन न केवल हॉट फ्लैशेज की समस्या को कम करता है बल्कि इस तरह का भोजन वजन को नियंत्रित रखने के साथ ही पाचन क्रिया को भी मजबूत बनाता है.

फ्लैक्सीड (अलसी के बीज)

हॉट फ्लैशेज से बचने के लिए फ्लैक्सीड के साथ ही फ्लैक्सीड ऑयल को भोजन में शामिल करना बेहतर होगा. फ्लैक्सीड में महत्वपूर्ण तत्व जै से आइसो फ्ले वोनेस, फाइडोएस्ट्रोजेन्स आदि पाये जाते हैं जो महिलाओं के हार्मोन्स के फ्लक्चुएशन को रिस्टोर करते हैं जिससे यह हॉट फ्लैशेज और दूसरी समस्याओं के होने की संभावना को कम करता है.

फ्लैक्सीड से कई अन्य फायदे भी होते हैं जैसे इसके सेवन से वजन कम होता है. साथ ही, यह हृदय रोग और कैंसर होने से बचाता है. इसके बेहतर परिणाम के लिए इस सुपर फूड का 2/3 कप अपनी डाइट प्लान में शामिल करें. हालांकि सुरक्षित रहने के लिए इस खाद्य पदार्थ को अपने भोजन में शामिल करने से पहले डॉक्टर से सलाह भी ले सकती हैं.

सोयाबीन

मीनोपॉज की उम्र में पहुंच चुकी महिलाओं को अपने भोजन में सोया शामिल करना बहुत जरूरी है. ऐसा इसलिए क्योंकि सोया में ऐसा तत्व पाया जाता है जो एस्ट्रोजन हार्मोन सरीखा काम करता है.

सोया खाने से आप हॉट फ्लैशेज और मीनोपॉज से जुड़ी अन्य समस्याओं से राहत पा सकती हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, यदि प्रतिदिन के भोजन में 25 ग्राम सोया से भरपूर आहार शामिल किया जाए तो मीनोपॉजल लक्षण को कम किया जा सकता है. खासतौर से, हॉट फ्लैशेज तो तीस प्रतिशत तक कम हो सकता है.

मछली/मीट/अंडे

जीवन के इस दौर में प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे मछली, अंडे या मीट से भरपूर डाइट हार्मोन्स का संतुलन बनाए रखने में अत्यधिक मददगार साबित होते हैं. अगर आप वेजीटेरियन हैं तो प्लांट बेस्ड प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकती हैं. इनमें मेवे, दही और फलियां शामिल हैं.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में अगले लॉकडाउन पर केजरीवाल ने तोड़ी चुप्पी

नेशनल डेस्क। दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले ने देश की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में दिल्ली में 15 जून से एक बार फिर लॉकडाउन लगने की अफवाह फैल गई है, जिसका मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खंडन कर दिया है। उन्होंने कहा कि राजधानी में दिल्ली में अगले लॉकडाउन की कोई योजना नहीं । केजरीवाल ने सोमवार को ट्वीट कर लिखा कि कई लोग दिल्ली में फिर से लॉकडाउन लगाने का अनुमान लगा रहे हैं। मैं साफ कर दूं कि ऐसी कोई योजना नहीं है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया में कुछ मैसेज वायरल हो रहे हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर 18 जून से लॉकडाउन लगा दिया जाएगा और देशभर में पूरी सख्ती के साथ इसका पालन भी कराया जाएगा। पीआईबी ने भी इस पर सफाई देते हुए कहा था कि सरकार की तरफ से न तो ऐसा कोई मैसेज भेजा गया है और न ही लॉकडाउन के बारे में अभी कोई विचार है। इसलिए यह खबर कि दिल्ली-एनसीआर में 18 जून से 4 हफ्ते के लिए फिर लॉकडाउन लगाया जाएगा, पूरी तरह से बेबुनियाद और फर्जी है।

लद्दाख में कोविड-19 के 112 नए मामले

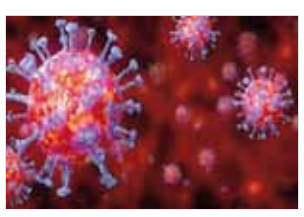

जम्मू । केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में कोविड-19 के 112 नए मामले सामने आने से यहां संक्रमित लोगों की संख्या बढकर 549 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुल संक्रमित लोगों में से 80 मरीज ठीक हो चुके हैं और एक संक्रमित की मौत हो गई है। लद्दाख में अभी 468 लोग इस घातक वायरस से संक्रमित हैं। अधिकारियों ने बताया कि नए मामलों में से 104 मरीज करगिल जिले से और आठ मरीज लेह जिले से हैं।

दक्षिण भारत में मानसून की दस्तक, अब धीमी रफ्तार से बढ़ रहा आगे

नेशनल डेस्क। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि मानसून पश्चिमी और मध्य भारत के अधिकतर हिस्सों में दस्तक दे चुका है लेकिन इस हफ्ते इसकी प्रगति कुछ धीमी रहने की संभावना है। विभाग ने एक बयान में कहा कि उत्तरी अरब सागर, गुजरात और मध्य प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ के बाकी भागों, झारखंड, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले 48 घंटे के दौरान दक्षिण-पश्चिमी मानसून के विस्तार के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं। विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि इसके बाद, एक हफ्ते के लिए मानसून की प्रगति धीमी रहेगी। मानसून दक्षिण भारत में दस्तक दे चुका है और अब धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। विभाग के मुताबिक जून के अंत तक मानसून दिल्ली-एनसीआर पहुंच सकता है, ऐसे में दिल्ली वालों को अभी कुछ और दिन भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ेगा। हालांकि विभाग ने बीच-बीच में हल्की बारिश की संभावना जताई है।

जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ के दस जवान, पांच पुलिसकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ के दस जवानों और पांच पुलिसकर्मियों में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से किसी ने भी कहीं की यात्रा नहीं की थी। उन्होंने बताया कि संक्रमित लोगों के संपर्क तलाशे जा रहे हैं ताकि उन्हें पृथक किया जा सके। बीते पांच दिन में तीसरी बार सीआरपीएफ के कर्मी संक्रमित पाए गए हैं। इससे पहले, 10 जून को बल के 28 जवानों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी, शनिवार को 24 जवान संक्रमित पाए गए थे। आठ जून को एक संक्रमित जवान की मौत हो गई थी।

पुलिस मुठभेड़ में एक इनामी बदमाश गिरफ्तार, एक फरार

सुल्तानपुर, । उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पुलिस ने सोमवार को एक मुठभेड़ में 25 हजार रूपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक शिव हरी मीणा ने यहां बताया कि अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान सूचना मिली थी कि दो बदमाश एक मोटरसाइकिल पर बैठकर सी.आर.पी.एफ. कैम्प की तरफ से बजेठी होते हुये जुड़ापट्टी की ओर आ रहे है। दोनों शातिर किस्म के अपराधी है। उनके पास अवैध शस्त्र व कारतूस है जो किसी बडी घटना के फिराक में है। सूचना पर प्रभारी कोतवाली देहात व स्वाट प्रभारी पुलिस बल के साथ महमूदपुर नहर पुलिया पर पहुंचे। कुछ समय पश्चात एक मोटरसाईकिल दो लोग आते दिखाई दिये। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर उन लोगो ने पुलिस पर फायरिंग कर दिया। जवाब में पुलिस द्वारा भी फायरिंग की गयी। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा की गयी फायरिंग में बदमाश दिनेश प्रताप सिंह गोली लगने से घायल हो गया। इस बीच दूसरा बदमाश दिनेश वर्मा अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। फरार अभियुक्त की तलाश में पुलिस टीम रवाना की गयी। मीणा ने बताया कि मुठभेड़ में आरक्षी बालेन्द्र यादव भी घायल हुये जिन्हे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से एक अदद देशी तमन्चा .315 बोर, एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर व दो अदद खोखा कारतूस .315 बोर, एक अदद मोटरसाईकिल बिना नम्बर प्लेट पैशन प्लस, एक अदद मोबाइल फोन व 1500 रुपये नगद बरामद किया है। आरोपी के विरुद्ध सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ के विभिन्न थानों में 21 संगीन अपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रतापगढ़ के विभिन्न थानों में 21 संगीन अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक श्री मीणा ने पुलिस टीम को दस हजार रुपये का पुरस्कार, टीम के प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारीगण को प्रशस्ति-पत्र व कैरेक्टर रोल में गुड एण्ट्री दिए जाने की घोषणा की है।

'जनसंवाद रैली' में बोले रक्षा मंत्री- 20 साल के भीतर उत्तराखंड ने बनाई अपनी अलग पहचान

नई दिल्ली/देहरादून(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज उत्तराखंड में 'जनसंवाद रैली' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आज संवाद करने का अवसर मिला। अपने गठन के 20 वर्ष के भीतर ही उत्तराखंड ने अपनी अलग पहचान बनाई है। पिछले 3 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देशन और मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की देख-रेख में बहुत काम हुआ है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले उत्तराखंड में तीर्थयात्री नाथुला दर्रे के मार्ग से मानसरोवर जाते थे। यह एक लंबा रास्ता था, लेकिन अब बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) ने लिपुलेख तक एक लिंक रोड बनाया है। इससे मानसरोवर के लिए एक नया मार्ग आया है। यह एक 80 किमी लंबी सड़क है, जिसे भारतीय क्षेत्र में बनाया गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस सड़क को लेकर नेपाल में कुछ गलत धारणाएं पैदा हो गई हैं लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि जहां तक नेपाल का संबंध है। हमारे साथ न केवल सामाजिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक या सांस्कृतिक संबंध हैं, बल्कि एक भक्ति संबंध भी है। भारत इसे कभी नहीं भूल सकता। भारत इसे कभी नहीं भूल सकता। राजनाथ सिंह ने कहा कि धारचूला से परे किसी भी संख्या में बाड़ लगाई जा सकती है लेकिन इन संबंधों को तोड़ा नहीं जा सकता। भारत और नेपाल के बीच का संबंध कोई साधारण नहीं है, बल्कि रोटी और बेटी का है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर लिपुलेख से धारचूला तक सड़क निर्माण के कारण नेपाल के लोगों में कोई गलत धारणा पैदा हो गई है ।

तो हम एक साथ बैठकर और बातचीत करके इसका समाधान निकालेंगे। लेकिन मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि नेपाल के प्रति भारतीयों में कभी कड़वाहट नहीं हो सकती।

दिल्ली: 40 होटल, 80 बैंक्वेट हॉल बनेंगे कोविड स्वास्थ्य केंद्र

नई दिल्ली। कोरोना वायरस मामलों में हो रही वृद्धि के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने जिलाधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर 20,000 और बिस्तरों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, कोरोना वायरस संक्रमित लोगों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 40 होटल और 80 बैंक्वट हॉल को विशेष स्वास्थ्य केंद्रों में तब्दील किया जाएगा। दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 39,000 के करीब पहुंच गई है और अब तक 1,200 से अधिक लोग इस घातक वायरस से जान गंवा चुके हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि अगर दूसरे राज्यों से लोग इलाज कराने राष्ट्रीय राजधानी में आते रहे तो 31 जुलाई तक दिल्ली को 1.5 लाख बिस्तरों की आवश्यकता होगी। सरकार के आदेश के बाद, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जिला प्रशासन ने 22 बैंक्वट हॉल को स्वास्थ्य केंद्र में तब्दील करने के आदेश जारी किए हैं, जहां प्रशासन करीब 3,300 बिस्तरों की व्यवस्था करेगा। अधिकारी ने कहा, योजना के मुताबिक, बैंक्वट हॉल को नर्सिंग होम से जोड़ा जाएगा जबकि होटलों में अस्पताल की विस्तृत सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी। उन्होंने कहा, होटलों में 4,000 बिस्तर जबकि बैंक्वट हॉलों में 11,000 बिस्तर उपलब्ध होंगे। नर्सिंग होम में 5,000 बस्तर की व्यवस्था की जाएगी। दिल्ली कोरोना ऐप के मुताबिक, शहर में उपलब्ध 9,850 बिस्तरों में से रविवार शाम सात बजे तक 5,448 बिस्तरों पर मरीज भर्ती थे जबकि 4,402 बिस्तर खाली थे। वहीं, दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को घोषणा की कि शहर में अगले दो दिन में कोविड-19 की जांच की संख्या दोगुनी की जाएगी और इसके बाद इसे तीन गुना किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 के मरीजों के लिए बिस्तरों की कमी के मद्देनजर केंद्र दिल्ली को तत्काल 500 रेलवे बोगियां भी उपलब्ध कराएगा, जो सभी सुविधाओं से लैस होंगी। जो सभी सुविधाओं से लैस होंगी।

अपने स्वार्थ के लिए भारत के खिलाफ नफरत फैला रहे नेपाल के पीएम ओली!

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

विदेश मामलों के जानकारों का मानना है कि नेपाली घरेलू राजनीति में उथल-पुथल, उसकी बढ़ती आकांक्षाएं, चीन से मजबूत आर्थिक सहयोग के कारण बढ़ रही हठधर्मिता और इस पड़ोसी देश से बातचीत करने में भारतीय शिथिलता के चलते नेपाल ने दोनों देशों के बीच दशकों पुराने सीमा विवाद को नये स्तर पर पहुंचा दिया है। नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को नेपाली भू-भाग प्रदर्शित करने वाले एक नये नक्शे के संबंध में देश की संसद के निचले सदन से आमसहमति से मंजूरी लेने में सफल रही है। इस पर भारत को यह कहना पड़ा कि इस तरह का कृत्रिम क्षेत्र विस्तार का दावा स्वीकार्य नहीं है। नेपाली संसद में इस पर मतदान कराया जाना, दोनों देशों के बीच सात दशक पुराने सांस्कृतिक, राजनीतिक और व्यापारिक संबंधों के अनुरूप नहीं हैं। यह क्षेत्रीय महाशक्ति भारत से टकराव मोल लेने की नेपाल की तैयारियों को प्रदर्शित करता है और यह संकेत देता है कि उसे दोनों देशों के बीच पुराने संबंधों की परवाह नहीं है। वर्ष 2008 से 2011 के बीच नेपाल में भारत के राजदूत रहे राकेश सूद ने कहा कि दोनों पक्षों ने संबंधों को ''बहुत ही खतरनाक बिंदु पर पहुंचा दिया है और भारत को काठमांडू से बात करने के लिये समय देना चाहिए था क्योंकि वह नवंबर से ही इस मुद्दे पर वार्ता के लिये जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने संवेदनशीलता की कमी प्रदर्शित की है और अब नेपाल खुद को (हमसे) उतनी दूर ले जाएगा, जहां से उसे वापस (वार्ता की मेज पर) लाना मुश्किल होगा। नेपाल, भारत के पांच राज्यों--सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड-- के साथ 1850 किमी लंबी सीमा साझा करता है। अनूठे मैत्री संबंधों के अनुरूप लोगों की मुक्त आवाजाही की दोनों देशों की लंबी परंपरा रही है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक करीब 80 लाख नेपाली नागरिक भारत में रहते हैं। दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा संबंध हैं। भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। नेपाल से आये करीब 32,000 गोरखा सैनिक भारतीय सेना में हैं। नेपाल में 2013 से 2017 तक भारत के राजदूत रहे रंजीत राय ने कहा कि प्रधानमंत्री के पी ओली ने घरेलू राजनीति में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिये ही नये नक्शे पर कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि ओली अपने इस कदम से आगे निकल गये हैं। भारत विरोधी भावनाएं भड़काने से उन्हें चुनाव जीतने में मदद मिली और उन्हें लगता है कि अब फिर से उन्हें इस कदम से मदद मिलेगी क्योंकि घरेलू राजनीति को लेकर वह काफी दबाव में हैं। रंजीत राय ने कहा कि मुझे लगता है कि यह घरेलू राजनीति में ओली के अंदर असुरक्षा की भावना और नेपाल की राजनीति में उनकी स्थिति कमजोर होने से संबद्ध है। आर्थिक मोर्चे पर सरकार की नाकामी को लेकर नेपाल में काफी प्रदर्शन हुए हैं। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी में यह अफवाह है कि नेतृत्व परिवर्तन हो सकता है। मुझे लगता है कि यह ओली के लिये एक संजीवनी है। नेपाल के खिलाफ 2015 की कथित आर्थिक नाकेबंदी के बाद से चीन के साथ भारत के संबंधों में काफी तनाव आया है। तब से चीन ने नेपाल में भारी मात्रा में वित्तीय निवेश किया है, जिससे इस भू-आबद्ध देश को पेट्रोलियम । चीन ने काठमांडू को तिब्बत के शिगस्ते से जोड़ने वाले एक महत्वाकांक्षी रेल मार्ग की भी योजना बनाई है। वहां यह ल्हासा के लिये मौजूदा रेल मार्ग से जुड़ेगा।

कोरोना के खिलाफ केंद्र-दिल्ली सरकार का एक्शन प्लान, 20 जून से रोज होंगे 18000 टेस्ट

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

दिल्ली में सत्तारूढ आप और मुख्य विपक्षी भाजपा ने सोमवार को कहा कि राजनीतिक मतभेदों को अलग रखकर कोरोना -19 के खिलाफ लड़ाई लड़ने की जरूरत है। इसके साथ ही 20 जून से शहर में कोरोना वायरस की जांच को बढ़ाकर रोज 18000 जांच करने का फैसला किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण के बढ़ते मामलों के लिए कांग्रेस ने केंद्र और दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। राष्ट्रीय राजधानी के सभी मुख्य राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बैठक के बाद दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता और आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि 20 जून से शहर में कोविड-19 की प्रतिदिन 18,000 जांच की जाएगी। संजय सिंह ने कहा कि बैठक में फैसला किया गया कि महामारी के खिलाफ राजनीति को अलग रखना चाहिए। अस्पतालों में बेड की संख्या में वृद्धि पर भी चर्चा हुई। गुप्ता ने कहा कि केंद्र की एक टीम निजी अस्पतालों में शुल्क पर सीमा तय करने को लेकर एक रिपोर्ट देगी जिसके बाद 'मनमाना' शुल्क लिए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि उन्होंने दिल्ली में कोरोना -19 के बढ़ते मामलों का मुद्दा उठाया और इसके लिए भाजपा नीत केंद्र और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने हर किसी की कोरोना -19 की जांच करने और महामारी से निपटने के लिए मेडिकल के अंतिम साल के छात्रों को भी तैनात करने की मांग की।

जौनपुर में दूसरे की मार्कशीट पर नौकरी, मुकदमा दर्ज

जौनपुर । कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में दूसरे की मार्कशीट पर जौनपुर तथा आजमगढ़ में नौकरी करने वाली प्रीती यादव के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने सोमवार को यहां बताया कि मैनपुरी जिले में किशनी क्षेत्र के रामनगर, सैदपुर गुलरियापुर निवासी प्रीती यादव ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मुफ्तीगंज जौनपुर में पूर्णकालिक शिक्षक नियुक्ति प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी सिकरारा से अभिलेखों की जांच कराई गई तो हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के अंकपत्र, प्रमाण पत्र श्रीमती प्रीती यादव पुत्री लाल बहादुर यादव निवासी शाहपुर, सिकरारा जौनपुर का निकला। असली प्रीती का आधार नंबर भी दूसरा है। फर्जी अभिलेखों पर नौकरी करने वाली मैनपुरी जिले की प्रीती यादव के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। शाहपुर गांव निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता लाल बहादुर ने कहा कि उनकी पुत्री प्रीति यादव ने स्नातक की शिक्षा ग्रहण की है। उसके नाम, वल्दियत और अंकपत्र नंबर, रोल नंबर, उत्तीर्ण वर्ष, आधार नंबर का गलत तरीके से प्रयोग कर कोई और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में नौकरी कर रही है। यह जानकारी मुझे एक समाचार पत्र के माध्यम से मिली। राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा लखनऊ ने 11 जून को दोनों जिलों के बीएसए को पत्र लिखकर मामले की जांच करने का आदेश दिया।

गुजरात: कच्छ में एक बार फिर भूंकप के झटके, दहशत में घरों से बाहर भागे लोग

गांधीनगर।

गुजरात के कच्छ में आज फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। कच्छ में दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर भूकंप का झटका मसहूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बताया है कि भूकंप के झटके 12: 57 बजे महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 रही। भूकंप का केंद्र कच्छ से 15 किलोमीटर दूर रहा। भूकंप के झटके के बाद लोग घर से बाहर आ गए। धरती के थर्राने से लोग सहम गए और घरों से निकल कर भागने लगे। इससे पहले गुजरात में आज रात भूकंप की मध्यम तीव्रता का एक झटका महसूस किया गया जिससे कई स्थानों पर लोग भयवश घरों से बाहर निकल आये। आधिकारिक सूचना के अनुसार भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माने जाने वाले कच्छ जिले के भचाऊ से 8 किमी उत्तर उत्तर पूर्व में अधिकेंद्र वाले इस भूकंप को रात लगभग आठ बज कर 13 मिनट पर महसूस किया गया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.2 आंकी गई। हालांकि अब तक जान माल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.2 आंकी गई। हालांकि अब तक जान माल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है। इसे कच्छ, राजकोट, जामनगर, गिर सोमनाथ, जूनागढ़ के अलावा अहमदाबाद समेत अन्य स्थानों पर भी महसूस किया गया। इसके चलते कई स्थानों पर लोग घरों से बाहर निकल आये। कुछ स्थानों पर गाड़ियों को भी हिलते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद किया गया था।बता दें कि गुजरात में विशेष रूप से कच्छ में लगभग रोजाना हल्के भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। उनकी तीव्रता 1 से 3 के बीच होती है। पर आज का झटका कुछ तीव्र था। उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने बताया कि अब तक जान माल के किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं है। गुजरात कोरोना का एक बड़ा हॉट स्पॉट बना हुआ है और अधिकतर लोग घरों में ही रह रहे हैं। ऐसे में भूकंप के चलते लोग कुछ अधिक दहशत में दिखायी दिये। कुछ अस्पतालों के पास भी लोग बाहर निकल आये। गुजरात में आज कई इलाकों में वर्षा भी हो रही है। राज्य में इससे पहले 2001 में कच्छ में बहुत बड़ा भूकंप आया था जिसमें बड़ी संख्या में जानमाल का नुकसान हुआ था। वर्ष 2011 में तलाला में पांच तीव्रता का भूकंप आया था।

इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के 2 अधिकारी लापता

इस्लामाबाद(एजेंसी)।

इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के 2 अधिकारी संदिग्ध परिस्थितयों में लापता बताए जा रहे हैं। दोने सुबह करीब 8 बजे से लापता होने की खबर हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि इस्लामाबाद मिशन में तैनात दो भारतीय कर्मचारी सोमवार सुबह किसी काम के लिए निकले थे। जब वे अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचे, तो उच्चायोग के अधिकारियों ने नई दिल्ली और पाकिस्तान के विदेश कार्यालय को सूचित किया। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के दो ड्राइवर ड्यूटी पर बाहर गए थे, लेकिन वे अपने निश्चित स्थान तक नहीं पहुंचे हैं। आशंका जताई जा रही है कि कहीं उनका अपहरण तो नहीं कर लिया गया है। दोनों ड्राइवरों की तलाश की जा रही है। भारत ने पाकिस्तान सरकार को इन ड्राइवरों के लापता होने की सूचना दे दी है । भारत सरकार ने पाकिस्तान को नोट लिखा है और उसे चेतावनी दी है कि उसका यह व्यवहार विएना कन्वेन्शन ऑन डिप्लोमैटिक रिलेशन्स, 1961 और बाइलेटरल 1992 कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन है जो दोनों देशों ने राजनयिकों को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए साइन किए थे। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि भारतीय उच्चायोग और उसके स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और उन्हें विएना कन्वेन्शन के मुताबिक काम जारी रखने की इजाजत दी जाए। यह घटना नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में दो पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा जासूसी और निर्वासन का आरोप लगाने के बाद आई है। दोनों दिल्ली में वीजा सेक्शन में काम करते थे। पाकिस्तान में कई शीर्ष भारतीय राजनयिक पिछले कई दिनों से इस्लामाबाद में आक्रामकता का शिकार हो रहे हैं । भारत ने पाक के इस रवैये का विरोध किया है। इसके बाद से ही दोनों देशों में संबंध और तनावपूर्ण हो गए हैं। पाकिस्तानी जासूसों की गिरफ्तारी के बाद इस्लामाबाद में काम कर रहे भारतीय राजनयिकों और दूसरे स्टाफ के लिए हालात मुश्किल और खतरनाक होने की आशंका पैदा हो गई है। माना जा रहा है कि अपने अधिकारियों के पकड़े जाने से बौखलाया पाक अब वहां काम कर रहे भारतीयों को फंसाने की फिराक में है। दोनों अधिकारियों के लापता होने से यह आशंका और ज्यादा बढ़ गई है। भारत के उच्चायोग के लिए सामान्य तरीके से काम करना दूभर होता जा रहा है। भारतीय राजनयिकों का छिप-छिपकर पीछा किया जा रहा है और उन पर नजर रखी जा रही है। इसे लेकर भारत ने पाकिस्तान के पास शिकायत दर्ज कराई है।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, कहा- अज्ञानता से ज्यादा खतरनाक होता है अहंकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर सोमवार को सरकार पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और कहा कि भारत में लगाए गए लॉकडाउन से साबित होता है कि अज्ञानता से ज्यादा खतरनाक अहंकार होता है। उन्होंने महान वैज्ञानिक अलबर्ट आइंस्टीन के एक कथन का उल्लेख करते हुए ट्वीट किया, यह लॉकडाउन साबित करता है कि सिर्फ एक चीज अज्ञानता से ज्यादा खतरनाक है और वह है अहंकार । कांग्रेस नेता ने लॉकडाउन के चारों चरणों में कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि से जुड़ा एक ग्राफ भी शेयर किया। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक भारत में लगातार तीसरे दिन कोरोना वायरस संक्रमण के 11,000 से ज्यादा मामले सामने आए हैं और सोमवार को संक्रमण के मामले बढ़कर 3,32,424 हो गए। संक्रमण से 325 और लोगों की मौत के साथ ही मरने वालों की संख्या 9,520 हो गई है। गौरतलब है कि अमेरिका, ब्राजील और रूस के बाद भारत कोरोना वायरस संक्रमण से सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गया है ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति दुर्तेते की आलोचक फिलीपीन की पत्रकार मानहानि की दोषी करार

मनीला (एजेंसी)।

फिलीपीन के राष्ट्रपति रॉड्रिगो दुर्तेते की आलोचक रही पत्रकार को सोमवार को मानहानि के एक मामले में दोषी करार देते हुए जेल की सजा मिली है। इस फैसले को इस एशियाई लोकतांत्रिक देश में पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर बड़े आघात के रूप में देखा जा रहा है। पुरस्कार विजेता पत्रकार मारिया रेसा, उनकी ऑनलाइन वेबसाइट रैप्लर इंक, और पूर्व संवाददाता रेनाल्डो सांतोन जूनियर एक धनी कारोबारी को बदनाम करने के आरोप में दोषी करार दिए गए हैं। रैप्लर पर 29 मई, 2012 में एक खबर प्रकाशित हुई थी जिसमें खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कारोबारी का संबंध एक हत्या, मादक पदार्थ की तस्करी, मानव तस्करी से जोड़ा गया था। खबर में खुफिया रिपोर्ट की निशानदेही नहीं की गई थी। इस वेबसाइट के वकील ने किसी भी दुर्भावना को खारिज करते हुए कहा था कि मानहानि की शिकायत दर्ज करने का समय बीत चुका था। फैसला सुनाए जाने के बाद रेसा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह फैसला मेरे लिए बेहद बुरा है क्योंकि इसमें रैप्लर को गलत बताया गया है।'' उनकी आवाज कांप रही थी। उन्होंने पत्रकारों और फिलीपीन की जनता से अपील की कि वह अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहें और 'सत्ता को जवाबदेह बनाएं।' उन्हें छह साल तक की सजा मिली है लेकिन अभी तत्काल हिरासत में नहीं लिया गया है। रेसा ने पिछले साल जमानत की मांग की थी और उनके वकील का कहना है कि वह इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगे। कारोबारी विल्फ्रेड केंग ने आरोपों को आधारहीन और गलत बताते हुए कहा था कि रैप्लर ने रिपोर्ट को ऑनलाइन हटाने या उनका पक्ष छापने से इनकार कर दिया था। रैप्लर के वकील ने कहा कि एक खुफिया रिपोर्ट के आधार पर वह खबर प्रकाशित हुई थी और फिलीपीन दंड कानून के तहत इसके लिए एक साल तक की अवधि के भीतर ही मानहानि की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

कोरोना वायरस के समय ट्रंप की रैली को स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया 'खतरनाक कद

वाशिंगटन (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के कारण प्रचार अभियान से कुछ महीने दूर रहने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगामी शनिवार को अपने समर्थकों के साथ रैली करने की योजना बनाई है। कोविड-19 के कारण देश में ज्यादातर गतिविधियां बंद हो गई थीं, लेकिन ट्रंप ने अब रैली करने की योजना बनाई है और वह ओक्लाहोमा के टुल्सा जाएंगे जहां कोविड-19 के मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने हालांकि भीड़ के बीच संक्रमण फैलने के खतरे का हवाला देते हुए इस फैसले पर सवाल उठाया है और कहा है कि जब लोग अपने घरों को लौटेंगे तो संक्रमण फैल सकता है। हार्वर्ड ग्लोबल हेल्थ इंस्टिट्यूट के निदेशक डॉ. आशीष झा ने ट्रंप की आगामी रैली को इसमें भाग लेने वाले लोगों और उन लोगों के लिए खतरनाक कदम बताया जो उन्हें प्यार करते हैं। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र (सीडीसी) ने इस

तरह के कार्यक्रमों को कोरोना वायरस संक्रमण के लिए अधिक जोखिम भरा बताया है।

केन्द्र ने कहा, ''रैलियों में छह फुट की दूरी पर रहना मुश्किल होता है और रैली में भाग लेने वाले लोग स्थानीय क्षेत्र से बाहर से आते हैं।

जहां लोगों के चिल्लाने या नारे लगाने की संभावना रहती है।

पुतिन का दावा- कोरोना संकट से बाहर निकल रहा रूस लेकिन अमेरिका बेहाल

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि उनका देश कोरोना वायरस संकट से बाहर आ रहा है लेकिन अमेरिका अब भी इस संकट से पार पाने के लिए संघर्ष कर रहा है क्योंकि वहां खंडित सरकारी प्रणाली हैं। पुतिन ने रविवार को सरकारी टेलीविजन पर एक साक्षात्कार में कहा ,''हम बहुत तेजी से काम कर रहे हैं और कम से कम नुकसान के साथ कोरोना वायरस संक्रमण के इन हालात से आत्मविश्वास के साथ बाहर आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा,''अमेरिका में ऐसा नहीं हो रहा है और वहां के हालात बेहद खराब हैं।'' पुतिन ने कहा कि रूस में केन्द्रीय और क्षेत्रीय सरकारें मिल कर काम करती हैं।उन्होंने कहा,'' मुझे संदेह है कि सरकार में कहीं भी, किसी ने भी अथवा किसी क्षेत्र ने अचानक कहा होगा- राष्ट्रपति जो कह रहे हैं या सरकार जो कह रही है, हम वह नहीं करेंगे। हम इसे उचित नहीं मानते।''

अमेरिका में कोरोना के 25,540 नए मामले, अब तक 1,15,436 लोगों की मौत

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) के 25,540 नए मामले सामने आये हैं जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 20,74,526 हो गई है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की तरफ से रविवार को जारी आंकड़े में यह जानकारी दी गई। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में 24 घंटे में कोरोना वायरस से 767 लोगों की मौत हुई है जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 1,15,436 हो गई। यूनिवर्सिटी के अनुसार अमेरिका में अभी तक 5,56,606 कोरोना संक्रमित पूरी तरह स्वस्थ हुए हैं। बता दें कोरोना वायरस (कोविड-19) से दुनिया भर में अब तक 78.24 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 4.30 लाख से अधिक लोगों की इस विषाणु के कारण मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना

वायरस से दुनिया भर में अब तक 7824985 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 430766 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से प्रभावित होने के मामले में अमेरिका विश्व भर में पहले और ब्राजील दूसरे, रूस तीसरे तथा भारत चौथे स्थान पर है।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना से ठीक होने पर 2 महीने बाद मिली अस्पताल से छुट्टी, बिल आया 8 करोड़ रुपए

इंटरनेशनल डेस्क। दुनियाभर में कोरोना का कहर जारी है लेकिन सबसे ज्यादा तबाही अमेरिका में मचा रखी है। अमेरिका में डेट रेट भी ज्यादा है। वहीं अमेरिका से हैरान कर देने वाली खबर है। यहां एक 62 साल के बुजुर्ग कोरोना की चपेट में आ गए थे। इलाज के लिए करीब दो महीने तक वह अस्पताल में रहें और डॉक्टरों ने उनको बचा लिया। इस सबके बीच जो हैरत में डालने बात है वो यह कि जब उनको डिस्चार्ज किया गया तो उनका बिल आया 11 लाख डॉलर्स (भारतीय करंसी के हिसाब से 8 करोड़ रुपए के आसपास)। यह मामला है अमेरिका के सिएटल शहर का। माइकल फ्लोर नाम के इस बुजुर्ग शख्स को 4 मार्च को अस्पताल भर्ती कराया गया था। कोरोना से उनकी हालत सीरियस होती जा रही थी लेकिन डॉक्टरों ने उनको बचा लिया। हाल ही में जब उनको डिस्चार्ज किया गया तो 181 पन्नों का बिल थमा दिया गया। उन्हें 42 दिन तक आइसोलेशन सेंटर में रखा गया और 29 दिनों तक वेंटिलेटर पर। माइकल ने वहां की मीडिया से बात करते हुए बताया कि हर दिन आईसीयू का चार्ज 7.39 लाख रुपए था। 42 दिन उनको स्टेराइल रूम में रखने के लिए 4 लाख 9 हजार डॉलर (3 करोड़ 10 लाख रुपए) चार्ज किए गए। 29 दिन तक वेंटिलेटर पर रखने के लिए 82 हजार डॉलर (62 लाख 28 हजार), और जब दो दिन उनकी जान को खतरा था तब खास ट्रीटमेंट के लिए 1 लाख डॉलर (करीब 76 लाख रुपए) चार्ज किए गए। माइकल फ्लोर के अस्पताल का जितना भी बिल आया है वो सारा पैसा सरकार देगी क्योंकि यह उनके इंश्योरेंस कवर में आते हैं। माइकल ने कहा कि भले ही मुजे अपनी जेब से पैसे नहीं देने हैं लेकिन इतना ज्यादा बिल आने पर मैं दुखी हूं। यहां बता दें कि हाल ही में अमेरिकी सरकार ने कोरोना दौर में अस्पतालों को 10 करोड़ डॉलर्स की मदद मुहैया कराने का ऐलान किया है और इसको लेकर बजट भी पास किया गया है।

लंदन में प्रदर्शन दौरान युवक ने पुलिस स्मारक पर किया पेशाब

लंदन। ब्रिटेन में शनिवार को मध्य लंदन में विरोध प्रदर्शनों के दौरान एक 28 वर्षीय व्यक्ति को एक पुलिसकर्मी के स्मारक पर पेशाब करने के लिए सार्वजनिक शिष्टता के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस आदमी को पूर्व लंदन के एस्सेक्स पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण के बाद हिरासत में ले वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। बता दें कि यह घटना तब हुई जब शनिवार को दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों और नस्लवाद का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के बीच भिड़ंत हो गई और पुलिस इन दोनों खेमों को अलग अलग करने की कोशिश कर रही थी। घटना के बाद प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि नस्लवादी ठगों की ये हरकत असहनीय है । उन्होंने कहा कि वेस्टमिंस्टर स्मारक पीसी कीथ पामर के सम्मान का सूचक है। कीथ पामर की 2017 में एक हमले के दौरान संसद के सदन में ड्यूटी पर रहते हुए हत्या कर दी गई थी जिसमें चार अन्य लोग भी मारे गए थे। इस बीच मेट्रोपोलिटन पुलिस कमांडर बास जाविद ने कहा कि हम पीसी पामर के स्मारक पर पेशाब करने वाले व्यक्ति की सोशल मीडिया पर भी निंदा हो रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है ।

उम्मीद कि किरण: कोरोना वैक्सीन ट्रायल के पहले 2 चरण पूरे, बेहद सफल रहे परिणाम

बीजिंग (एजेंसी)।

किलर कोरोना वायरस की वैक्सीन को लेकर चीन से एक उम्मीद कि किरण जागी है। कोरोना वैक्सीन बनाने वाली चीनी कंपनी सिनोवैक बायोटेक ने कहा है कि कोविड-19 के उसके टीके कोरोनावैक के लिए पहले और दूसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण के प्रारंभिक नतीजे सकारात्मक आए हैं। बीजिंग स्थित इस कंपनी ने एक बयान में इस टीके के लिए चरण एक और दो के क्लीनिकल परीक्षण के सकारात्मक प्रारंभिक परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकता है। सिनोवैक के अध्यक्ष और सीईओ वेइदोंग यिन ने कहा, हमारे चरण एक और दो के अध्ययन से पता चलता है कि कोरोनावैक सुरक्षित है और यह प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकता है। वेइदोंग ने कहा, चरण एक और दो क्लीनिकल अध्ययनों का पूरा होना एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जिसे हमने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में हासिल किया है। इस टीके के परीक्षणों के लिए 18 से 59 आयु वर्ग के कुल 743 स्वस्थ स्वयंसेवियों (वालंटियर) ने नामांकन कराया था। बयान में कहा गया है कि इनमें से 143 लोग पहले चरण और 600 लोग दूसरे चरण में शामिल थे। इसमें कहा गया है कि परीक्षण में शामिल लोगों को 2 इंजेक्शन दिए गए और 14 दिन तक उनमें इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं देखे गए।

कंपनी को उम्मीद है कि जल्द ही चरण दो क्लीनिकल अध्ययन रिपोर्ट और चरण तीन क्लीनिकल अध्ययन प्रोटोकॉल चीन के राष्ट्रीय चिकित्सा उत्पाद प्रशासन (एमएमपीए) को सौंपा जाएगा।

घाना के स्वास्थ्य मंत्री कोविड-19 से संक्रमित

अक्करा। घाना के राष्ट्रपति ने देश के स्वास्थ्य मंत्री क्वाकू अगयेमांग-मानू के कोविड-19 से संक्रमित होने की घोषणा की है। सरकारी प्रसारक पर रविवार रात राष्ट्रपति नाना अकूफो एड्डो ने कहा कि पश्चिमी अफ्रीका में कोविड-19 से निपटने की लड़ाई का नेतृत्व करते हुए स्वास्थ्य मंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए। अफ्रीका में घाना में कोरोना वायरस के सबसे अधिक पुष्ट मामले हैं, जिसका कारण वहां होने वाली अधिक जांच भी है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार घाना में 11,400 से अधिक मामले सामने आए हैं और 51 लोगों की कोरोना वायरस से जान जा चुकी है।

पाकिस्तान में कोविड-19 के 5000 से अधिक नए मामले, कुल संख्या 1,40,000 के पार पहुंची

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 के 5,248 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,44,676 हो गए, वहीं देश में 97 और लोगों की मौत के बाद वायरस से मरने वालों की संख्या 2,729 हो गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में 29,085 लोगों की जांच की गई। देश में अभी तक 8,97,650 लोगों की जांच की गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पंजाब में 54,138 रोगी, सिंध में 53,805, खैबर पख्तूनख्वा में 18,013, बलूचिस्तान में 8,177, इस्लामाबाद में 8,569, गिलगित बाल्तिस्तान में 1,129 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में संकमण के 647 मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 97 संक्रमित लोगों की जान चली गई , जिससे देश में मरने वालों की संख्या 2,729 हो गई। वहीं 53,721 लोग अभी तक ठीक हो चुके हैं। योजना आयोग के मंत्री असद उमर ने रविवार को आगाह किया था कि जुलाई अंत तक मामले 12 लाख तक पहुंच सकते हैं।

पाक मंत्री का दावा- देश में कोरोना से बेकाबू हो सकते हालात, जुलाई अंत तक 12 लाख हों जाएंगे केस

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में कोरोना के 5,248 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,44,676 हो गए, वहीं देश में 97 और लोगों की मौत के बाद वायरस से मरने वालों की संख्या 2,729 हो गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में 29,085 लोगों की जांच की गई। देश में अभी तक 8,97,650 लोगों की जांच की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले समय में पाकिस्तान में हालात बेकाबू हो सकते हैं। पाकिस्तान के मंत्री का दावा है कि जुलाई के आखिर तक देश में 12 लाख लोग वैश्विक महामारी से संक्रमित हो सकते हैं। पाकिस्तान के मंत्री असद उमर ने कहा, हम जून के बीच में हैं और तकरीबन डेढ़ लाख कोरोना वायरस के मरीज हो चुके हैं। हमें यह बताते हुए काफी बुरा लग रहा है कि यदि ऐसा ही चला तो इस महीने के आखिर में मामले दोगुने हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसी रफ्तार से जुलाई के अंत तक पाकिस्तान में कोरोना के मामले 10 से 12 लाख तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे महामारी के प्रति गंभीरता बरतें और मास्क लगाकर रखें। बता दें कि पिछले 24 घंटो के दौरान 5248 नए मामले आने से कुल संक्रमितों का आंकड़ा 1,44,478 और मृतकों की संख्या 2729 पर पहुंच गई है। पाकिस्तान मीडिया में सोमवार को जो रिपोर्ट आई है उसमें सिंध और पंजाब दोनों प्रांतो में वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दोनों प्रांतों में संक्रमितों की संख्या पचास-पचास हजार से अधिक है। दोनों प्रांतों में संक्रमण प्रभावित की संख्या क्रमशः 53,805 और 54,138 तथा मरने वाले से की संख्या 831 और 1031 है। पाकिस्तान में संक्रमण से देश के रेलमंत्री शेख राशिद अहमद, दो पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी और यूसुफ गिलानी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज अध्यक्ष और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ, पार्टी प्रवक्ता मरियम ओरंगजेब और देश के पूर्व क्रिकेट कप्तान शाहिद आफरीदी भी वायरस की चपेट में हैं। खैबर पख्तूनख्वा संक्रमण और वायरस से मौत के मामले में तीसरे स्थान पर है प्रांत में 18013 संक्रमित और 675 की मृत्यु हो चुकी है। बलूचिस्तान में 8177 संक्रमण मामले और 85 मृतक हैं। राजधानी इस्लामाबाद की स्थिति भी धीरे-धीरे खराब हो रही है। यहां 8579 लोग संक्रमित हुए हैं और 78 लोगों की मौत हो चुकी है। गिलगित बलासितान में 1129 संक्रमित और मृतक 16 हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सक्रमण प्रभावित 647 और 13 मृतक है।

मच्छर की लार से बनेगी वैक्सीन- सौ बीमारियों से मिल सकता है छुटकारा

वाशिंगटन। मच्छर के काटने से 100 तरह के रोग पैदा हो जाते हैं। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जीका, पीला बुखार, जैसी बीमारियां मच्छरों के काटने से ही होती हैं। ऐसे में वैज्ञानिक लोगों को इन

बीमारियों से बचाने के लिए मच्छरों की ही लार से वैक्सीन बनाने पर शोध कर रहे हैं। खबर के मुताबिक अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज की एक शोधकर्ता जेसिका मैनिंग मच्छरों की लार में प्रोटीन का उपयोग कर वैक्सीन बनाने की तकनीक पर शोध कर रही हैं। इस तकनीक से कीड़ों के माध्यम से फैलने वाली तमाम बीमारियों के लिए एक ही टीके का निर्माण किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि इस वैक्सीन पर काम करते हुए मैनिंग अब मनुष्यों में मच्छर लार के टीके का ट्रायल कर रही हैं। द लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक मानवों पर ट्रायल सफल रहा है। रिपोर्ट के मुजतबिक परीक्षण में एनोफिलीज मच्छर की लार पर आधारित टीके को शामिल किया गया था। परिणाम मानव शरीर में एंटीबॉडी और सेलुलर प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर करने की क्षमता के साथ, मनुष्यों में उपयोग के लिए सुरक्षित पाया गया। वहीं की माने तो 2017 में मच्छरों से फैलने वाले मलेरिया से 435,000 लोगों की मौत हो गई गई थी।

बीजिंग के थोक बाजार में कोरोना संक्रमण फैलाव का सर्वाधिक खतरा

बीजिंग । चीन की राजधानी बीजिंग में सबसे बड़े थोक बाजार में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के फैलने का खतरा बहुत अधिक है। नगरपालिका सरकार के प्रवक्ता तथा इसके सूचना कार्यालय के निदेशक शू हेजियान ने सोमवार को इस आशय की आशंका व्यक्त की। बीजिंग के अधिकारियों ने शनिवार को शहर के थोक खाद्य बाजार शिनफाडी को बंद करने की घोषणा की क्योंकि उस बाजार से जुड़े 40 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये थे। इसके ठीक अगले दिन चीन की राजधानी को 'युद्धकालीन आपातकालीन मोड' में डाल दिया गया। शहर के अधिकारियों के अनुसार शिनफाडी में काम करने वाले और 30 मई के बाद से बाजार में आने वाले सभी लोगों का न्यूक्लीक एसिड परीक्षण किया जाएगा ताकि यह पता किया जा सके कि वे कोविड-19 से संक्रमित हैं ।

जार्ज फ्लायड मौत:अमेरिका में भारतीय महिला कर रही प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व

वाशिंगट (एजेंसी)।

अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी सॉफ्टवेयर इंजीनियर सिएटल में 'काले लोगों का जीवन मायने रखता है' विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वालों में अग्रणी हैं। ये विरोध प्रदर्शन सिएटल के मुख्य क्षेत्र जिसे अब 'कैपिटल हिल स्वशासित क्षेत्र (सीएचएजेड)' कहा जा रहा है, में हो रहे हैं। इस क्षेत्र से पुलिस को स्थायी तौर पर बाहर रखने के लिए प्रदर्शनकारी मोर्चेबंदी कर रहे हैं। सिएटल सिटी काउंसिलवुमन क्षमा सावंत इस क्षेत्र में पुलिस को बाहर ही रखने के लिए कार्यकर्ताओं को उत्साहित कर रही हैं। मिनियापोलिस में पुलिस हिरासत में काले अमेरिकी व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद से ही अमेरिका में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई सप्ताह से यहां गतिरोध जारी है। महाराष्ट्र के पुणे में जन्मी सावंत ने प्रदर्शनकारियों से अपील की है कि वह छह ब्लॉक वाले इस क्षेत्र में अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रहे जिसे उन्होंने ' नो कॉप' यानी पुलिस वर्जित क्षेत्र घोषित कर रखा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, '' हमारे आंदोलन को पूर्वी प्रांत को पुलिस को वापस नहीं दिया जाना सुनिश्चित करना चाहिए और यह भी सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है कि इसे स्थायी तौर पर समुदायिक नियंत्रण वाले क्षेत्र में बदल दिया जाए। मेरा कार्यालय पूर्वी प्रांत को रेस्टोरेटिव जस्टिस (एक ऐसी प्रणाली जिसमें अपराध करने वाले को पीड़ित और समुदाय के साथ बातचीत करके उसमें सुधार लाने के रास्ते तलाशे जाते हैं) का सामुदायिक केंद्र बनाने के लिए विधेयक ला रहा है। मंगलवार को उन्होंने एक ऐसे प्रदर्शन में हिस्सा लिया जिसमें पुलिस को डिफंड (पुलिस के बजट में कटौती करके उस धन का इस्तेमाल शिक्षा, स्वास्थ्य, लोगों को आवास मुहैया कराने में किया जाए) करने की बात कही जा रही थी। इसमें सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने इस दौरान प्रदर्शनकारियों को सिटी हॉल में प्रवेश की अनुमति दी। इसमें सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने इस दौरान प्रदर्शनकारियों को सिटी हॉल में प्रवेश की अनुमति दी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मेयर जैनी डर्कन के इस्तीफे की भी मांग की। वर्ष 1973 में जन्मी सावंत मुंबई में पली-बढ़ी और उन्होंने बाद में मुंबई विश्वविद्यालय से 1994 में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की। सावंत शादी के बाद अमेरिका आ गईं और बाद में उन्होंने कंप्यूटर इंजीनियरिंग को छोड़ने का निर्णय लिया।

इसके बाद इन्होंने उत्तरी कैरोलीना स्टेट यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र क्षेत्र में पीएचडी डिग्री हासिल की। वह 2006 में सोशलिस्ट अल्टरनेट से जुड़ गईं और 2013 में काउंसिलवुमन बनीं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत की 90 फीसदी स्कूल संचालक फीस के लिए अभिभावकों पर डाल रही हैं दबाव

क्रांति समय

सूरत, राज्य सरकार के आदेश के बावजूद सूरत की 90 फीसदी निजी स्कूल संचालक अभिभावकों को पर फीस जमा कराने का दबाव डाल रहे हैं!

इस बारे में कई शिकायतों के बावजूद स्कूल संचालकों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है!

कोरोना और लॉकडाउन के दौरान सभी आर्थिक गतिविधियां ठप हो गई थीं!

ऐसे हालत में सरकार ने स्कूल संचालकों को फीस के लिए अभिभावकों पर दबाव नहीं डालने का आदेश दिया था!

लेकिन ऐसा लगता है स्कूल संचालकों को सरकार का कोई डर नहीं है और वह अभिभावकों पर जल्द फीस जमा कराने का दबाव बना रहे हैं!

कई स्कूलें ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर फीस मांग रही हैं तो कई स्कूलें नतीजे नहीं दे रही और कुछ स्कूलें नए सत्र की फीस मांग रही हैं!

जबकि लॉकडाउन के चलते स्कूलें बंद थीं और बच्चे स्कूल नहीं गए!

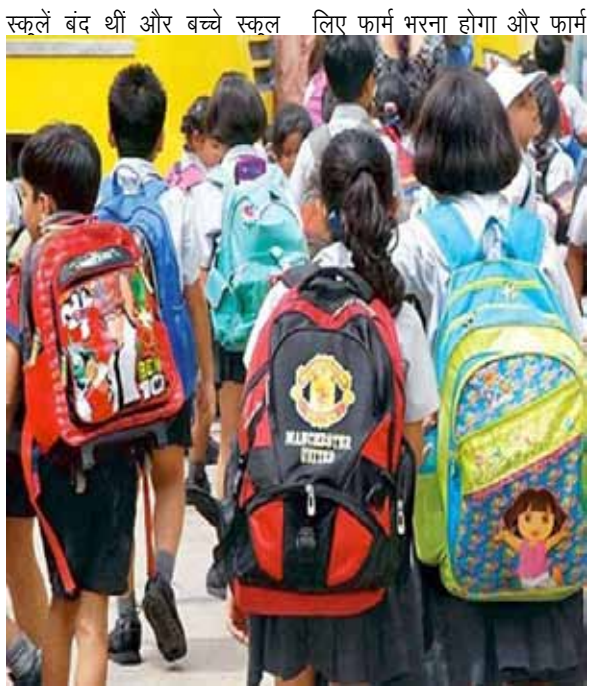

इसके बावजूद नए सत्र के नाम फीस के लिए दबाव बनाया जा रहा है!

कई स्कूल संचालक कह रहे हैं कि अगली क्लास में2 जाने के लिए फार्म भरना होगा और फार्म पाने के लिए फीस पहली जमा करनी होगी!

सूरत की करीब 90 फीसदी स्कूल संचालक इसी प्रकार अभिभावकों पर लगातार दबाव डाल रहे हैं!

जिसका अभिभावक कड़ा विरोध कर रहे हैं!

सरकार की घोषणा के बाद बच्चों की ऑनलाइन पढाईके लिए दबाव किया जा रहा है!

हांलाकि अभी नया सत्र शुरू भी नहीं हुआ, इसके बावजूद किताबें पाने के लिए भी फीस का दबाव बनाया जा रहा है!

अभिभावकों ने सूरज जिला शिक्षा अधिकारी और शिक्षा विभाग से कई दफा शिकायत की है, ले. किन स्कूल संचालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है! बता दें कि पिछले सप्ताह राज्य के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने तीन महीनों तक फीस के लिए अभिभावकों पर दबाव नहीं डालने का आदेश दिया था!

कक्षा 12 सामान्य संकाय का 76.29: नतीजे घोषित, लड़कियों ने बाजी मारी

क्रांति समय

अहमदाबाद, गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12 सामान्य संकाय के नतीजे आज जारी कर दिए!

सोमवार की सुबह बोर्ड की वेबसाइट पर कक्षा 12 सामान्य संकाय के नतीजे जारी किए गए!

हर साल की भांति इस वर्ष भी लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ दिया है!

मार्च 2020 में ली गई कक्षा 12 सामान्य संकाय के 76.29 प्रतिशत परिणाम आया!

जो पिछले साल के मुकाबले 3.02 प्रतिशत अधिक है!

गत वर्ष कक्षा 12 सामान्य संकाय का नतीजा 73.27 प्रतिशत था!

इस वर्ष सबसे अधिक 86.67 प्रतिशत परिणाम पाटन जिले का और सबसे कम 58.26 प्रतिशत नतीजा जूनागढ़ जिले का आया है!

बनासकांठा के सोनी केन्द्र ने सबसे अधिक 97.76 प्रतिशत और सबसे कम 30.21 प्रतिशत गिर सोमनाथ जिले के डोलासा केन्द्र ने हासिल कियाद्य पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष राज्य की 269 स्कूलों ने 100 प्रतिशत नतीजा प्राप्त किया!

जबकि 10 फीसदी से कम परिणाम पाने वाली स्कूलों की संख्या 56 रही, जो पिछले साल 79 थी!

हर साल की तरह इस वर्ष भी लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ दिया!

लड़कियों ने 82.20 प्रतिशत और लड़कों ने 70.97 प्रतिशत परिणाम हासिल किया!

इस वर्ष राज्य में 5 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं ने कक्षा 12 सामान्य संकाय की परीक्षा दी थी! जिसमें 2.83 लाख छात्र–छात्राएं उत्तीर्ण हुए हैं!

सूरत शहर में 186 और रा. जकोट में 108 छात्र–छात्राओं ने ए–1 ग्रेड प्राप्त किया!

जबकि अहमदाबाद में केवल 40 विद्यार्थियों को ए–1 ग्रेड मिला है!

राज्य में कुल 522 विद्यार्थियों ने ए–1 ग्रेड प्राप्त किया है! जबकि 10945 विद्यार्थियों ने ए–2, 39848 विद्यार्थियों ने बी–1, 77746 विद्यार्थियों ने बी–2 और 94378 विद्यार्थियों ने सी–1 ग्रेड हासिल किया! राज्य में गुजराती माध्यम का 76.11 प्रतिशत और अंग्रेजी माध्यम का 81.72 प्रतिशत परिण ाम आया जिसमें 70.97 प्रतिशत छात्रा और 82.20 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं!

श्री गुरुकुपा विधा संकुल के सितारें

फिर थर्राई गुजरात की धरती, कच्छ में 4.6 और 3.6 की तीव्रता के दो झटके

क्रांति समय

अहमदाबाद, रविवार की गुजरात में 5.3 की तीव्रता वाले भूकंप के झटकों के बाद से आफ्टरशोक से लोगों में दहशत है! कच्छ में फिर एक बार 4.6 और 3.6 की तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं!

सोमवार की दोपहर 12.59 मिनट पर 4.6 की तीव्रता के झटके गुजरात धरती फिर एक बार थर्रा उठी!

चार मिनट बाद यानी 1.01 बजे भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया!

भूकंप का केन्द्र बिन्दू कच्छ के भचाऊ से 15 किलोमीटर दूर उत्तर पश्चिम में था!

कल रात से सोमवार की दोपहर तक इतनी तीव्रता के भूकंप के झटकों से कच्छ के लोगों में दहशत है!

आठ साल पहले इतनी तीव्रता का झटके महसूस किए थे!

19 जून 2012 को 5.1 की तीव्रता वाला भूकंप का झटका महसूस किया गया था!

जिसके बाद करीब एक सप्ताह तक इससे कम तीव्रता के आफ्टरशोक आए थे!

सिस्मोलोजी विभाग के मुताबिक रविवार की हात 8.13 बजे गुजरात में 5.3 की तीव्रता के भूकंप के बाद रात 8.19 बजे 3.1 की तीव्रता, 8.39 बजे 2.9 की तीव्रता, 8.51 बजे 2.2 की तीव्रता, 8.56 बजे 2.5 की तीव्रता, 10.02 बजे 3.7 की तीव्रता, 10.04 बजे 2.5 की तीव्रता, 1.46 बजे 1.6 की तीव्रता, 3.53 बजे 1.6 की तीव्रता, 3.55 बजे 1.4 की तीव्रता और 3.58 बजे 1.7 की तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए!

इस प्रकार रविवार की रात से सोमवार की दोपहर तक गुजरात में भूकंप के 13 झटके महसूस किए गए!

राज्य में लॉकडाउन लागू करने की बातें केवल अफवाह : मुख्यमंत्री

क्रांति समय

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने साफ कहा है कि राज्य में फिर से लॉकडाउन लागू करने को लेकर सोशल मीडिया में और लोगों में जो बातें चल रही हैं वह महज एक अफवाह ही है।

राज्य सरकार का फिर से लॉकडाउन लागू करने का कोई विचार नहीं है।

उन्होंने राज्य के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों से गुमराह न हों।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि 1 जून से अनलॉक होने के कारण राज्य में जनजीवन बहाल होने लगा है।

उद्योग–धंधे, रोजगार और आर्थिक–वाणिज्यिक गतिविधियां भी अब पटरी पर लौट रही हैं,

तब फिर से लॉकडाउन लागू करने का राज्य सरकार का कोई विचार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के साथ और उसके खिलाफ जीवन जीने के साथ ही रोजाना की गतिविधियां भी अब सामान्य हो गई हैं, ऐसे में फिर से लॉकडाउन आएगा ऐसी झूठी अफवाहों से लोग गुमराह न हों यह भी जरूरी है।

गुजरात में पेट्रोल–डीजल हुआ दो रुपए महंगा, नई दरें रात 12 बजे से लागू

क्रांति समय

अहमदाबाद, कोरोना और लॉकडाउन के चलते पहले से मुश्किलों से जूझ रही गुजरात की जनता को सरकार ने एक और झटका दिया है!

गुजरात सरकार ने प्रति लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमतों 2–2 रुपए की वृद्धि का फैसला किया है!

पेट्रोल और डीजल की नई दरें सोमवार की रात 12 बजे से लागू होंगी!

उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने पत्रकार परिषद में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि

राज्य में लॉकडाउन के चलते आर्थिक गतिविधियां ठप होने से सरकार को हजारों करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है! आय बढाने के लिए सरकार ने पेट्रोल–डीजल में प्रति लीटर रु. 2 वेट बढाने का फैसला किया है! उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में पेट्रोल–डीजल गुजरात से ज्यादा महंगा है!

सरकार की आय घटी है और खर्च बढ़ने की वजह से पेट्रोल–डीजल की कीमतों में वृद्धि का फैसला करना पड़ा है! इससे पहले गुजरात में दो बार पेट्रोल की कीमत में 7 फीसदी की कटौती की थी

और प्रतिशत के हिसाब से आज भी भारत के अन्य राज्यों की तुलना में गुजरात में पेट्रोल–डीजल के दाम सबसे कम हैं!

उन्होंने कहा कि कोरोना के दो महीने तक समूचे देश में लॉकडाउन रहा!

जिसकी वजह से सभी आर्थिक गतिविधियां ठप हो गईं!

राज्यों की आय पेट्रोल, डीजल और गैसे इत्यादि वस्तुओं से होती है,

जो लॉकडाउन के चलते घट गई!

सरकार के करों की आय में भारी गिरावट हुई,

इसके बावजूद 5 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को वेतन दिया! आय घटने के बावजूद योजनाएं बंद नहीं की गईं!

कोरोना पर कविता

हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा

फिर से लौटेगी इन वीरान सड़कों की रौनक।
फिर से हर गांव हर शहर खिलखिलाएगा।
आएगी फिर से खुशहाली और देश ये लहलहाएगा।
हार जाएगा कोरोना ,भारत फिर से मुस्कुराएगा।

बीत जाएगी ये काली रातें. छंट जाएगा अंधेरा।
मिट जाएगी बेचैनिया,मुस्काएगा हर एक चेहरा।
चीरकर गम के बादलों को सूरज फिर से झिलमिलाएगा
हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा।

होगा इस धरा पर फिर से खुशियों का बसेरा।
गुनगुनी धूप सा खिल उठेगा भविष्य सुनहरा।
कब तक आखिर ये गम इंसानों को यूं सताएगा।
हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा।

इतना धीरज रखा हमने कुछ दिन और सही।
बाँट लें हम खुशियों के संग अपनों के गम भी।
कभी तो भगवान को भी हालातों पे तरस आएगा।
हार जाएगा कोरोना,भारत फिर से मुस्कुराएगा।

रखना होगा हर कदम हमें बहुत ही संभल कर ।
दिलाना होगा अहसास अपनेपन का दूर रहकर।
फिर से होंगे सब साथ,ये दौर भी गुजर जाएगा।
हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा।

तरक्की की गाड़ी भी पकड़ेगी फिर से रफ्तार।
फिर से मिलेगी सबके सपनों को भी उड़ान।
थाम कर चलें हाथ तो रास्ता यू ही कट जाएगा।
हार जाएगा कोरोना ,भारत फिर से मुस्कुराएगा।
माना है दौर मुश्किलों भरा, पर ये भी गुजर जाएगा।
जाते जाते हर इंसान को नए सबक भी सिखाएगा।
ये दौर ना जाने कितने अपने निशान छोड़ जाएगा।
हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा।

रजनी के आंचल से निकलकर नया सवेरा आएगा।
दीप जल उठेंगे एकता के तब दिव्य उजाला छाएगा।
फिर से विश्वपटल पर भारत नया इतिहास रचाएगा।
हार जाएगा कोरोना भारत फिर से मुस्कुराएगा ।

–पवन सोलंकी सुमेरपुर पाली (राजस्थान)

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)